राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 07, अंक 157 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये | रायपुर, शनिवार 09 अगस्त 2025 | www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

बाल-बाल बचे डिप्टी सीएम , टायर फटने से कार में लगी भीषण आग; बड़ा हादसा टला

पुंछ। श्रीनगर से मुगल रोड होते हुए पुंछ में बाबा बुड्ढा अमरनाथ के दर्शन के लिए आ रहे उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी के काफिले में बड़ा हादसा टल गया। रास्ते में उनके वाहन का टायर फटने के साथ उसमें आग लग गई, लेकिन चालक की सतर्कता से सभी सुरक्षित बच गए।

जानकारी के अनुसार, उपमुख्यमंत्री अपने पूरे एस्कॉर्ट के साथ श्रीनगर से पुंछ की ओर आ रहे थे। पुंछ से करीब 50 किलोमीटर पहले चंडीमढ़ के जंगल क्षेत्र में अचानक चलते वाहन का टायर फट गया और उसमें आग लग गई। चालक ने तुरंत वाहन सड़क किनारे रोक दिया, जबकि सुरक्षा में तैनात कर्मियों ने उपमुख्यमंत्री को सुरक्षित बाहर निकालकर दूसरे वाहन में बैठा दिया। टायर बदलने के बाद वह पुनः अपने वाहन से पुंछ पहुंचे।

घटना पर कड़ी नाराजगी जताते हुए उपमुख्यमंत्री चौधरी ने कहा, *हमें कबाड़ वाहन दिए गए हैं। यह तीसरी बार है जब मेरे साथ ऐसा हादसा हुआ है। हमें अच्छे वाहन उपलब्ध नहीं कराए जा रहे, बल्कि जान से मारने की साजिश रची जा रही है।* उन्होंने कहा कि भगवान की कृपा से तीनों बार हादसों में उनकी जान बची।

आय से अधिक संपत्ति मामले में विजिलेंस की बड़ी कार्रवाई, ईडी के ठिकानों पर की रेड

पटना। बिहार में भ्रष्टाचार के खिलाफ लगातार कार्रवाई हो रही है। इसी क्रम में शुक्रवार को स्पेशल विजिलेंस यूनिट (एसवीयू) ने जहानाबाद में पदस्थापित डीएसपी संजीव कुमार के कई ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। यह कार्रवाई आय से अधिक संपत्ति के केस में की गई है। यह मामला करीब डेढ़ करोड़ रुपए की अवैध संपत्ति से जुड़ा है। स्पेशल विजिलेंस यूनिट, पटना ने डीएसपी संजीव कुमार के खिलाफ केस दर्ज किया था। यह मुकदमा भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम-1988 की कई धाराओं के तहत दर्ज किया गया। डीएसपी पर लगभग 1 करोड़ 52 लाख रुपए की अवैध संपत्ति अर्जित करने का आरोप है, जो उनके ज्ञात वैध स्रोतों से कहीं अधिक है।

छत्तीसगढ़ शासन, आईआईएम, एनआईटी और मोतीलाल ओसवाल फ़ाउंडेशन के त्रिपक्षीय एमओयू पर हस्ताक्षर

छत्तीसगढ़ में शिक्षा, नवाचार और कौशल विकास के नए युग की शुरुआत : मुख्यमंत्री साय

फाउंडेशन द्वारा आईआईएम एवं एनआईटी को 172 करोड़ रुपये का योगदान

रायपुर (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में शिक्षा, कौशल विकास और नवाचार के क्षेत्र में एक नए युग की शुरुआत हुई। मुख्यमंत्री श्री साय राजधानी स्थित पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित विशेष कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ शासन, भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) रायपुर, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) रायपुर और मोतीलाल ओसवाल फ़ाउंडेशन के मध्य हुए त्रिपक्षीय एमओयू पर हस्ताक्षर के साक्षी बने। इस समझौते के अंतर्गत स्थापित होने वाले उद्यमिता केंद्र का निर्माण वर्ष 2025-26 में प्रारंभ होगा तथा इसे वर्ष 2027-28 तक पूर्ण रूप से क्रियाशील करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस अवसर पर कहा कि आज हस्ताक्षरित एमओयू से छत्तीसगढ़ अंजोर विजन को साकार करने में महत्वपूर्ण सहायता प्राप्त होगी। इस साझेदारी से प्रदेश में गांव-गांव तक शिक्षा, कौशल विकास और नवाचार की क्रांति

पहुंचेगी, जो युवाओं को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस त्रिपक्षीय समझौते के तहत श्रीमती मिथिलेश अग्रवाल नवाचार एवं उद्यमिता उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना की जाएगी, जो युवाओं को शोध, प्रयोग और उद्यमिता के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाने का कार्य करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि यह उत्कृष्टता केंद्र केवल आईआईएम या एनआईटी के विद्यार्थियों तक सीमित न रहे, बल्कि गांव-गांव के युवाओं को भी लाभान्वित करे। मुख्यमंत्री ने उद्योग जगत से भी इस शिक्षा और कौशल विकास के आंदोलन से जुड़ने का आग्रह किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने आगे कहा कि छत्तीसगढ़ अब कोर सेक्टर के साथ-साथ सेमीकंडक्टर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, फार्मा, डिफेंस, एयरोस्पेस और ग्रीन हाइड्रोजन जैसे अत्याधुनिक क्षेत्रों में तेज़ी से अग्रसर हो रहा है। बीते 20 महीनों में किए गए साढ़े तीन सौ से अधिक सुधारों के परिणामस्वरूप राज्य में निवेश का अनुकूल वातावरण निर्मित हुआ है और केवल आठ माह में 6.75 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं।

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि हम सभी यह संकल्प लें कि छत्तीसगढ़ को संसाधन-आधारित नहीं, बल्कि नवाचार-आधारित अर्थव्यवस्था का नेतृत्व करने वाला राज्य बनाएंगे ङ्क जहाँ युवा बदलाव के वाहक बनें और उद्यमिता से समाज को दिशा दें।

राज्यसभा में चर्चा की मांग पर अड़ा विपक्ष, हंगामे के बाद कार्यवाही स्थगित

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा में शुक्रवार को एक बार फिर हंगामा हुआ। विपक्ष के सांसद मतदाता सूची के गहन रिव्यू पर चर्चा की मांग पर अड़े रहे। हालांकि राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण ने नियमों का हवाला देते हुए इसकी अनुमति नहीं दी।

इस पर विपक्षी सांसद नाराज हो गए। सांसदों ने सदन में नारेबाजी शुरू कर दी जिसके कारण सदन की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। सदन में हो रहे हंगामे के बीच राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण ने बताया कि संसद में बार-बार हो रहे व्यवधान के कारण अब तक हम 56 घंटे 49 मिनट का समय गंवा चुके हैं।

उन्होंने राज्यसभा में प्रश्नकाल व शून्यकाल शांतिपूर्ण तरीके से चलने देने का अनुरोध किया। वहीं विपक्ष का कहना था कि वे जनता से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर नियम 267 के तहत चर्चा करना चाहते हैं। अनेक विपक्षी सांसदों ने इसके लिए उप उपसभापति को नोटिस भी दिया था। राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण ने सदन में बताया कि नियम 267 के तहत विभिन्न विषयों पर चर्चा के लिए 20 सदस्यों ने नोटिस दिया है।

उप सभापति का कहना था कि जब से यह सत्र शुरू हुआ है, विभिन्न सांसद अलग-अलग विषयों पर हर रोज नियम 267 के तहत नोटिस दे रहे हैं। गौरतलब है कि 267 के तहत सदन की अन्य सभी कार्यवाहियों को स्थगित करके संबंधित विषय पर चर्चा कराई जाती है। इस नियम के अंतर्गत चर्चा के अंत में वोटिंग का भी प्रावधान होता है। सभापति का कहना था कि हर दिन कई अलग-अलग विषयों पर कई नोटिस दिए जा रहे हैं। उन्होंने सांसदों से कहा कि क्या इन सभी नोटिस को स्वीकार करना संभव है।

उप सभापति का कहना था कि ऐसा लगता है कि कई सदस्य नियम 267 को एक टूल की तरह इस्तेमाल कर रहे हैं।

यूपी के बाराबंकी में भारी बारिश के कारण रोडवेज बस पर गिरा पेड़, चालक समेत 4 की मौत

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले में एक दर्दनाक हादसा सामने आया है, जहां यूपी रोडवेज की एक बस पर अचानक पेड़ गिर गया। इस हादसे में बस में सवार चार लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। मामला हरख चौराहे के राजा बाजार क्षेत्र का है। जानकारी के अनुसार, यह हादसा उस समय हुआ जब भारी बारिश के बीच एक रोडवेज बस बाराबंकी से हैदरगढ़ जा रही थी। बारिश के कारण पेड़ की जड़ें कमजोर हो गईं, जिससे वह अचानक बस पर गिर पड़ा। पेड़ के गिरने से बस की छत पूरी तरह चकनाचूर हो गई और कई यात्री उसके नीचे दब गए। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर तुरंत बचाव कार्य शुरू किया।

मतदाता सूची में गड़बड़ी की जांच हो, राहुल गांधी के खुलासे पर बोलीं प्रियंका वाड्रा

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मतदाता सूची में गड़बड़ी से जुड़े तथाकथित सबूत पेश किए, जिस पर राजनीतिक घमासान मचा है। कांग्रेस पार्टी राहुल गांधी के दावों का समर्थन करते हुए जांच की मांग जोरो शोरों से उठा रही है।

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने मीडिया से बातचीत में कहा कि राहुल गांधी ने वोट चोरी पर बड़ा खुलासा किया है। वोट चोरी की जांच होनी चाहिए। चुनाव आयोग वोटर लिस्ट नहीं दे रहा है। इस मामले में जांच करने के बजाए, वह हलफनामा मांग रहा है। हम लगातार डेटा दिखा रहे हैं, लेकिन चुनाव आयोग मानने को तैयार ही नहीं है।

भविष्य की रणनीति पर कांग्रेस सांसद प्रियंका वाड्रा ने कहा, इंडिया गठबंधन के नेता आपस में चर्चा करेंगे और आगे का रास्ता तय करेंगे। लेकिन यह स्पष्ट है कि इस पूरे मामले में अनियमितताएं हैं, जिसे सभी ने देखा होगा। जिस तरह से भाजपा और अन्य नेता प्रतिक्रिया दे रहे हैं, उससे भी एक बात साफ है कि गड़बड़ी हुई है।

चुनाव आयोग पर लगाए गए राहुल गांधी के आरोपों पर कांग्रेस सांसद सुखदेव भगत ने कहा, यह कोई मजाक नहीं है। चुनाव आयोग को जवाब देना चाहिए। यह एक महत्वपूर्ण मामला है और जैसा कि

राहुल गांधी ने स्पष्ट रूप से कहा, यह लोकतंत्र को कमजोर करने की कोशिश है। इस दिशा में कदम उठाए जा चुके हैं, लेकिन हम लोकतंत्र को बचाने के लिए सदन के अंदर और बाहर दोनों जगह लड़ते रहेंगे।

इस दौरान, एसआईआर प्रक्रिया के खिलाफ विपक्ष के प्रदर्शन पर कांग्रेस सांसद मोहम्मद जावेद ने कहा, जब तक यह मुद्दा हल नहीं हो जाता, हम विरोध प्रदर्शन जारी रखेंगे, क्योंकि यह एक मौलिक अधिकार है। 18 साल या उससे अधिक उम्र के हर भारतीय के पास मतदाता पहचान पत्र होना चाहिए। वे किसे वोट देते हैं, यह उनकी अपनी पसंद है और किसी को भी यह अधिकार छीनने का अधिकार नहीं है, चुनाव आयोग को भी नहीं। लेकिन ये लोग चाहते हैं कि उनके अधिकार छीन लिए जाएं।

अस्पताल में भर्ती ई-रिक्शा चालक ने कोर्ट परिसर में फांसी लगाकर की खुदकुशी

मृतक के चार पुत्री व एक पुत्र राष्ट्रीय स्तर के स्विमिंग कोच, घटना से परिवार में मातम का माहौल

दुर्ग (समय दर्शन)। न्यायालय परिसर में शुक्रवार की सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब लोगों ने अधिवक्ताओं के बैठने वाले स्थान पर एक व्यक्ति को फांसी पर झुलते देखा। मृतक युवराज सार्वा 45 वर्ष पुरोहित लॉज के पीछे आपापुरा वार्ड 31 का निवासी था।

वह ई-रिक्शा चलाता था। उसने लोहे के एंगल में रस्सी के सहारे फांसी लगा ली थी। बताया गया है कि मृतक युवराज सार्वा शुगर का मरीज था। जिसके चलते वह पिछले दो दिनों से जिला अस्पताल में भर्ती था। शुक्रवार की सुबह वह

अस्पताल से बाहर निकला और न्यायालय परिसर में पहुंचकर फांसी पर झूल गया। फिलहाल खुदकुशी का वास्तविक कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है। बताया गया है कि ई-रिक्शा चलाने के पहले मृतक युवराज सार्वा हटरी बाजार में वंदे मातरम् वस्त्रालय के सामने सब्जी की दुकान लगाता था। जहां से उसको हटा दिया गया था। परिवार के सदस्यों का आरोप है कि हटरी बाजार से युवराज सार्वा की सब्जी की दुकान हटने और शुगर के चलते बार-बार स्वास्थ्य बिगड़ने से वह परेशान था। मृतक युवराज सार्वा की 5 पुत्री व एक पुत्र है। चार पुत्रियों का विवाह हो चुका है, जो राष्ट्रीय स्तर के स्विमिंग कोच है। वहीं एकलौता पुत्र हेमंत सार्वा भी राष्ट्रीय स्तर का स्विमिंग कोच है। मृतक युवराज सार्वा शनिचरी बाजार स्थित भगवान लंगूरवीर मंदिर से भी जुड़ा हुआ था। मंदिर के सेवादार के रुप में उसे जाना जाता था। उसके इस आत्मघाती कदम उठाने से उसके परिजन और लंगूरवीर मंदिर से जुड़े लोगों में शोक की लहर है। बहरहाल कोतवाली पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले को जांच पर लिया है। मामले की पुलिस जांच उपरांत ही मृतक युवराज सार्वा के खुदकुशी करने का कारण स्पष्ट हो पाएगा।

पंजाब पुलिस ने बड़ी आतंकी साजिश को नाकाम किया, विस्फोटक उपकरण निष्क्रिय

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब पुलिस की एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) ने एक बड़ी आतंकी साजिश को नाकाम कर दिया, जो पाकिस्तान में बैठे बब्बर खालसा अंतरराष्ट्रीय (बीकेआई) के सदस्य हरविंदर रिंदा और पाकिस्तान की सहायता से काम करने वाले आतंकवादी लखबीर उर्फ लांडा ने रची थी। पुलिस ने यह जानकारी अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दी। पंजाब पुलिस के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के मुताबिक, विश्वसनीय मानवीय खुफिया जानकारी मिलने के बाद, एजीटीएफ ने तरनतारन पुलिस के साथ मिलकर एक तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान तरनतारन से एक विस्फोटक उपकरण (आईईडी) बरामद किया गया, जो हरविंदर रिंदा के साथियों तक पहुंचने से पहले ही पकड़ा गया।

केंद्र सरकार ने इमरजेंसी इस्तेमाल, एंटीबायोटिक और दर्द निवारक दवाओं की अधिकतम कीमत की तय

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने इमरजेंसी इस्तेमाल की चार दवाओं और 37 एंटीबायोटिक और दर्द निवारक दवाओं के अधिकतम मूल्य तय कर दिए हैं।

ये कीमतें राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) द्वारा तय की गई हैं और ये दवाएं संक्रमण, हृदय रोग और सूजन से लेकर मधुमेह और विटामिन की कमी के इलाज के लिए हैं।

एनपीपीए ने कहा, ब्रांडेड या जेनेरिक या दोनों प्रकार की दवाओं को सीलिंग प्राइस (जीएसटी सहित) से अधिक कीमत पर बेचने वाले निर्माता कीमतों में संशोधन करेंगे, जो सीलिंग प्राइस से अधिक नहीं होगी।

हालांकि, एनपीपीए ने कहा कि जिन निर्माताओं का अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) सीलिंग प्राइस से कम है, वे मौजूदा एमआरपी को बनाए रखेंगे।

इमरजेंसी इस्तेमाल की इन दवाओं में इप्राट्रोपियम शामिल है, जिसका उपयोग क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज से पीड़ित लोगों में वीजिंग, सांस लेने में तकलीफ, खांसी और सीने में जकड़न को रोकने के लिए किया जाता है। इसका सीलिंग प्राइस 2.96 रुपए प्रति मिलीलीटर तय किया गया था।

सोडियम नाइट्रोप्रसाइड की कीमत 28.99 रुपये प्रति मिलीलीटर तय की गई थी, जिसका उपयोग उच्च रक्तचाप की आपात स्थितियों में रक्तचाप को तेजी से कम करने, सर्जरी के दौरान रक्तस्राव को कम करने और तीव्र हृदय विफलता के मामलों में किया जाता है। डिल्टियाजेम की कीमत 26.72 रुपए प्रति कैप्सूल तय की गई थी, जिसका इस्तेमाल उच्च रक्तचाप और सीने में दर्द के इलाज में किया जाता है।

इसके अलावा, पोविडोन आयोडीन की कीमत 6.26

रुपए प्रति ग्राम तय की गई थी, जिसका इस्तेमाल सर्जरी से पहले और बाद में त्वचा कीटाणुशोधन और मामूली घावों की देखभाल के लिए किया जाता है।

जिन अन्य दवाओं की कीमतों में कटौती की गई है उनमें पैरासिटामोल, एटोरवास्टेटिन, एमोक्सिसिलिन और मेटफॉर्मिन शामिल हैं।

प्रभावित दवाओं में एसिक्लोफेनाक, पैरासिटामोल और ट्रिप्सिन काइमोट्रिप्सिन का मिश्रण शामिल है, जिसका इस्तेमाल सूजनरोधी और हृदय संबंधी दवा के रूप में किया जाता है, जो एटोरवास्टेटिन 40 मिलीग्राम और क्लोपिडोग्रेल 75 मिलीग्राम के संयोजन के रूप में आता है।

एनपीपीए के अनुसार, अधिसूचित कीमतें जीएसटी-मुक्त हैं और जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त शुल्क भी लिया जा सकता है।

एनपीपीए ने खुदरा विक्रेताओं और डीलरों से नई कीमतें प्रमुखता से प्रदर्शित करने को भी कहा है और कहा है कि नई दरों का पालन न करने पर डीपीसीओ और आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के तहत दंडनीय अपराध होगा। इसमें ब्याज सहित अतिरिक्त वसूली गई राशि की वसूली भी शामिल होगी।

ऑपरेशन धराली

357 लोगों को रेस्क्यू किया गया, आठ सैनिक और 100 लोग अभी भी लापता

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तराखंड के धराली और हर्षिल क्षेत्र में आई भीषण बाढ़ और भूस्खलन के बाद भारतीय सेना ने ऑपरेशन धराली के तहत राहत और बचाव कार्यों की कमान संभाल रखी है। सेना के मुताबिक यहां अब तक 357 से अधिक नागरिकों को वायु और स्थल मार्ग से सुरक्षित निकाला गया है।

इनमें से 119 को देहरादून एयरलिफ्ट किया गया। 13 सैनिकों को भी रेस्क्यू किया गया है। 2 नागरिकों की मौत की पुष्टि हुई है। हालांकि 14 राज राइफल्स के 08 सैनिक व लगभग 100 नागरिक अभी भी लापता हैं।

सेना के मुताबिक 7 अगस्त को कुल 68 हेलिकॉप्टर उड़ानें संचालित की गईं। इनमें भारतीय वायुसेना की 6, भारतीय सेना की 7 और नागरिक हेलिकॉप्टर की 55 उड़ानें शामिल हैं। सी-295 विमान के माध्यम से देहरादून, हर्षिल, मतली और धारासू के बीच हेलि-ब्रिजिंग जारी है। वहीं हेलिकॉप्टरों के जरिए राहत सामग्री, उपकरण और राहतकर्मी पहुंचाए जा रहे हैं, साथ ही दुर्गम क्षेत्रों से नागरिकों को निकाला जा

रहा है।

भारतीय सेना की टुकड़ियां, इंजीनियर, मेडिकल टीमें, और खोजी कुत्ते राहत कार्य में जुटे हैं। एनडीआरएफ के 105 जवान और एसडीआरएफ के दल मौके पर सक्रिय हैं। आईटीबीपी की टीमें, जिनमें चिकित्सा अधिकारी भी शामिल हैं, धराली और हर्षिल में तैनात हैं। डॉक्टर्स, नर्सिंग असिस्टेंट्स, और कॉम्बैट मेडिक्स द्वारा बचाए गए लोगों को प्राथमिक उपचार दिया जा रहा है।

सेना के साथ भारतीय वायुसेना, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, आईटीबीपी, बीआरओ और नागरिक प्रशासन मिलकर यह बहु-एजेंसी राहत अभियान चला रहे हैं। वर्तमान स्थिति की बात करें तो धराली अभी भी सड़क मार्ग से पूरी तरह कटा हुआ है, हालांकि सड़क साफ करने का कार्य लिमचिगाड़ तक पहुंच चुका है।

संक्षिप्त समाचार

वरिष्ठ अधिवक्ता स्व .विनोद चावड़ा के पुण्यतिथि पर याद किए गए उनके कार्य

स्कूली बच्चों को परिवार के सदस्यों ने कराया न्यौता भोज और पाठ्य सामग्री कराई उपलब्ध

दुर्ग (समय दर्शन)। पद्मनाभपुर एमआईजी 706 निवासी एवं खनिज मामलों के जानकार वरिष्ठ अधिवक्ता स्व.विनोद चावड़ा की तीसरी पुण्यतिथि शुक्रवार को उनके परिवार के सदस्यों द्वारा स्कूली बच्चों के बीच मनाई गई। शासकीय नवीन प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक शाला पद्मनाभपुर में आयोजित पुण्यतिथि कार्यक्रम में सर्वप्रथम वरिष्ठ अधिवक्ता स्व. विनोद चावड़ा को श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके सेवाभावी कार्यों को याद किया गया। तत्पश्चात् करीब 80 से अधिक स्कूली बच्चों को एक साथ न्यौता भोज कराया गया और उन्हें जरुरत की पाठ्य सामग्रियों का वितरण कर स्व. विनोद चावड़ा के सेवाभावी कार्यों को गति प्रदान की गई। कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिवक्ता स्व. विनोद चावड़ा के छोटे भाई दीपक चावड़ा ने भावुक मन से कहा कि स्व. चावड़ा सामाजिक, धार्मिक व सेवाभावी कार्यों में अग्रणी रहे है। जरुरतमंद स्कूली बच्चों की मदद में हमेशा ही उन्होने हाथ बढ़ाया है। उनका पुण्यतिथि स्कूली बच्चों के बीच मनाना उनके सेवा कार्यों के सपनों को पूरा करने जैसा है। इस दौरान स्व.चावड़ा के परिवार के सदस्यों में उनकी बहन ऊषा टांक, मंजूलता सोलंकी, कीर्ति परमार, भाई दीपक चावड़ा, बहू भावना चावड़ा, भाई भरत चावड़ा, शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला की प्रधानपाठिका हेमलता सुनहरे, प्राथमिक शाला प्रधानपाठिका किरण राजपूत,शिक्षिका सलीमा आयशा, विभा गुप्ता, ज्योत्सना गोखे, दीपकुमारी सिन्हा के अलावा स्कूली बच्चे बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

भारती विश्वविद्यालय दुर्ग के फार्मेसी कोर्स में प्रवेश प्रारंभ, 12वीं पास है योग्यता

दुर्ग (समय दर्शन)।भारती विश्वविद्यालय दुर्ग में फार्मेसी कोर्स में प्रवेश प्रारंभ हो चुका है। कोर्स के विषय में जानकारी देते हुए भारती विश्वविद्यालय ने बताया कि फार्मेसी विज्ञान और मानव स्वास्थ्य के बीच एक सेतु हैं, जो न केवल दवाओं की गुणवत्ता और प्रभाव को सुनिश्चित करता है, बल्कि रोगों की रोकथाम और इलाज में अहम भूमिका निभाता है। आज की तेज रफ्तार जीवनशैली, बदलती स्वास्थ्य समस्याएं, और नई-नई बीमारियों के बढ़ते प्रकोप के चलते फार्मेसी क्षेत्र में कुशल और प्रशिक्षित पेशेवरों की मांग निरंतर बढ़ रही है। डी. फार्मा यह दो वर्ष का डिप्लोमा कोर्स है, जो छात्रों को फार्मासिस्ट के रूप में काम करने के लिए तैयार करता है। इस कोर्स के बाद छात्र सरकारी और निजी अस्पतालों, क्लीनिकों, दवा की दुकानों और दवा कंपनियों में काम, स्वरोजगार के लिए मेडिकल स्टोर जैसे विकल्प देता हैं। इस कोर्स में प्रवेश हेतु न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 12वीं उतीर्ण होना आवश्यक है। बी. फार्मा चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम है, यह कोर्स अनुसंधान, शिक्षण, उद्योग और सरकारी विभागों में उन्नत कैरियर के लिए मार्ग प्रशस्त करता है। जिसमें विद्यार्थियों को फार्मास्युटिकल विज्ञान की मूलभूत जानकारी, दवा निर्माण, ड्रग डिजाइन, फार्मास्युटिकल केमिस्ट्री, फार्माकोलॉजी, फार्मास्युटिक्स, हर्बल ड्रग्स और क्लिनिकल फार्मेसी जैसे विषयों में गहन प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। यह कोर्स विद्यार्थियों को अनुसंधान, निर्माण, गुणवत्ता नियंत्रण, और फार्मास्युटिकल इंडस्ट्री में विभिन्न जिम्मेदारियों के लिए तैयार करता है। इस कोर्स में प्रवेश हेतु न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 12वीं उत्तीर्ण होना आवश्यक है।

तीन लाख का ईनामी माओवादी शंकर कुरसम गिरफ्तार

बीजापुर। डीआरजी बीजापुर एवं केरिपु 85 बटालियन की टीम ने पेददापाल एवं हिरमागुण्डा के मध्य जंगल से तीन लाख रूपये के ईनामी जनमिलिशिया कमांडर शंकर कुरसम को गिरफ्तार किया है। शंकर कुरसम लंबे समय से माओवादी संगठन में सक्रिय रूप से कार्यरत तथा क्षेत्र में कई बड़ी वारदातों में शामिल रहा है, जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस अधीक्षक बीजापुर द्वारा 10 हजार रुपए का ईनाम भी उद्घोषित है। जिले में संचालित माओवादी विरोधी अभियान के तहत् डीआरजी बीजापुर एवं केरिपु 85 बटालियन की संयुक्त टीम द्वारा माओवादी विरोधी अभियान के दौरान पेद्दापाल एवं हिरमागुण्डा के मध्य जंगल से 01 सक्रिय माओवादी को पकड़ा गया है। माओवादी की पहचान शंकर कुरसम पिता पाण्डू कुरसम उम्र 36 वर्ष निवासी इसुलनार थाना बीजापुर जिला बीजापुर के रूप में हुई है।

ऑपरेशन उपहार : बिर्रा में हेलमेट वितरण कर दिया गया सुरक्षा का संदेश,यातायात को लेकर लोगों को किया गया जागरुक

जांजगीर बिर्रा,//समय दर्शन // -ऑपरेशन उपहार एक उपहार अपनों के नाम卐 अभियान के अंतर्गत आज बिर्रा में जनजागरुकता के उद्देश्य से हेलमेट वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। बिर्रा पुलिस,प्रेस क्लब बिर्रा,व्यापारी संघ और भारतीय जन सेवा संघ के संयुक्त प्रयास से यह आयोजन बस स्टैंड बिर्रा में संपन्न हुआ।कार्यक्रम में विशेष रूप से बिर्रा थाना प्रभारी जयकुमार साहू,जिला पंचायत सदस्य मोहनकुमारी साहू,जनपद सदस्य रितेश रमण सिंह,सरपंच प्रतिनिधि एकादशिया साहू, युवा नेता धन्नू डडसेना सहित गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।इस अवसर पर बिर्रा थाना प्रभारी जयकुमार साहू स्वयं लोगों को हेलमेट पहनाकर संदेश दिया कि हेलमेट सुरक्षा का कवच है, इसे नजरअंदाज करना जीवन के साथ खिलवाड़ है। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि वे यातायात नियमों का पालन करें और बिना हेलमेट बाइक न चलाएं। वहीं प्रेस क्लब बिर्रा के अध्यक्ष दुर्गाप्रसाद डडसेना ने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं में हेलमेट की भूमिका जीवन रक्षक

होती है। उन्होंने कहा कि यह केवल एक उपकरण नहीं, बल्कि अपनों के लिए हमारी ज़िम्मेदारी का प्रतीक है।हेलमेट प्राप्त करने वाले एक व्यक्ति ने कहा, यह एक बहुत ही सराहनीय पहल है। हम हेलमेट को नियमित रूप से पहनेंगे और अपने परिवार को सुरक्षित रखेंगे।कार्यक्रम के दौरान आम जनता ने इस प्रयास की प्रशंसा की और इसे एक सकारात्मक सामाजिक बदलाव की दिशा में कदम बताया। ऑपरेशन उपहार जैसे अभियान न केवल सड़क सुरक्षा के प्रति जागरुकता फैलाते हैं, बल्कि समाज को जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा भी देते हैं।इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य मोहनकुमारी साहू,बिर्रा थाना प्रभारी जयकुमार साहू,जनपद सदस्य रितेश रमण सिंह, सरपंच प्रतिनिधि एकादशिया साहू,भारतीय जन सेवा संघ से धन्नू डडसेना, मनीष पटेल,तुलेश पटेल, पत्रकार चित्रभानू पांडेय,जितेन्द्र तिवारी,दुर्गाप्रसाद डडसेना,जीवन साहू,संजू साहू,हेमंत जायसवाल,एकांश पटेल,कमल खूंटे,सुरेश कर्ष, जगदीश प्रसाद बंजारे,सहित नागरिक उपस्थित रहे।

महासमुंद लोकसभा के विकास को मिलेगी नई गति

रूपकुमारी चौधरी ने दिलाई महासमुन्द लोकसभा क्षेत्र को करोड़ों की सौगात

रूपकुमारी चौधरी ने क्षेत्र के विकास के लिए प्रधानमंत्री एवं केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्री से मिले

महासमुन्द(समय दर्शन)। संसद भवन में महासमुंद की सक्रिय एवं जनसमर्पित सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी ने रक्षाबंधन की पूर्व संध्या पर देश की गरिमा,संस्कृति और सुरक्षा हेतु अद्भुत नेतृत्व देने वाले देश के यशस्वी प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी से मिलकर रक्षा बंधन पर्व की बधाईयाँ देकर स्वस्थ, सशक्त एवं दीर्घायु जीवन की कामना की ।

श्रीमती चौधरी ने इस दौरान भारत के केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से सौजन्य भेंट कर धमतरी और गरियाबंद जिलों की दो महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर विस्तृत चर्चा की।

कुरूद बायपास (6 किमी 7 104.35 करोड़)

NH-30 को रायपुर-विशाखापट्टनम एक्सप्रेसवे से जोड़ेगा, जिससे आवागमन सरल होगा और सुरक्षा बढ़ेगी।

कोमाखान गरियाबंद सड़क उन्नयन (74 किमी)

शिक्षा, स्वास्थ्य और बाजार तक बेहतर पहुँच सुनिश्चित करेगा। जिससे जनजातीय अंचलों के समग्र विकास को मिलेगी रफ्तार।

गडकरी जी ने सकारात्मक पहल करते हुए संबंधित अधिकारियों को तत्काल आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए।

यह सिर्फ सड़क निर्माण नहीं, बल्कि विकास, सुविधा और सशक्तिकरण की ओर एक मजबूत कदम है।

उप मुख्यमंत्री के निर्देश पर मनियारी जलाशय से छोड़ा गया पानी

1.29 लाख एकड़ क्षेत्र में खरीफफसलों के लिए किसानों को मिलेगी राहत

मुंगेली(समय दर्शन) लोरमी विकासखंड के ग्राम खुड़िया में स्थित राजीव गांधी जलाशय (मनियारी) से 01 लाख 29 हजार एकड़ क्षेत्र में खरीफफसलों के लिए पानी छोड़ा गया। उप मुख्यमंत्री अरुण साव के निर्देश पर यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया, जिससे क्षेत्र के ग्रामीणों को खरीफ फसलों की सिंचाई हेतु जल उपलब्ध होगा। कलेक्टर कुन्दन कुमार ने जल वितरण व्यवस्था की निगरानी और किसानों तक समय पर जल पहुंचाने के लिए संबंधित विभागों को निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास है कि जिले के किसानों को बिना किसी बाधा के सिंचाई जल उपलब्ध हो।

जल संसाधन विभाग के कार्यपालन अभियंता ने बताया कि खुड़िया जलाशय वर्तमान में 150.68 मि.घ.मी. अर्थात 102 प्रतिशत पानी भरा हुआ है और वेस्ट वियर के माध्यम से भी पानी निकल रहा है। पानी छोड़ने से सिंचाई के साथ ही ग्रामीणों को निस्तारी के लिए जल की सुविधा मिलेगी। साथ ही पशुपालन और विभिन्न कार्यों में भी राहत मिलेगी। जलाशय का गेट खुलने के बाद क्षेत्र के लोगों ने उप मुख्यमंत्री, कलेक्टर और प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया है।

उपसरपंच ने दी राखी की सौगात शासकीय प्राथमिक शाला कोकड़ी में मनाया राखी त्यौहार

होमन सिंह ठाकुर समय दर्शन नंदिनी अहिवारा। शासकीय प्राथमिक शाला कोकड़ी संकुल सेमरिया विकासखंड धमधा जिला दुर्ग में रक्षाबंधन त्योहार के अवसर पर शाला स्तर में रक्षाबंधन का आयोजन किया गया।आयोजक शाला परिवार ने बच्चो को अपनी संस्कृति की पहचान और सरंक्षण के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन भी किया गया। बच्चो में राखी बनाने की कला विकसित करने के लिए सृजनात्मक गतिविधि राखी बनाओ,थाली सजाओ की प्रतियोगिता भी अयोजित की गई।हमारी संस्कृति जो प्राचीन काल से चली आ रही है इस पर संदेश देते हुए संकुल समन्वयक सूर्यकांत हरदेल ने राखी उत्सव पर विचार व्यक्त किये ,विजय बघेल ने कहा रक्षा बंधन, राखी, भाई-बहनों के बीच अटूट प्यार को दर्शाने के लिए मनाया जाता है। यह त्यौहार प्रतिवर्ष श्रावण मास (सावन माह) की पूर्णिमा तिथि (पूर्णिमा दिवस) पर पड़ता है। इस दिन बहनें पूजा-अर्चना करके भाइयों की कलाइयों पर राखी बांधती हैं और उनके स्वास्थ्य व जीवन में सफल होने की कामना करती हैं। वहीं भाई अपनी बहनों की रक्षा करने, उन्हें प्यार करने और बिपरीत स्थिति में उनकी मदद करने के लिए हमेशा तैयारी रहने की वचन देते हैं।भाई बहन की स्वस्थ जीवन और अच्छे जीवन के लिये प्रार्थना करते है।इस अवसर मुख्य अथिति श्री विजय बघेल,उपसरपंच पेंड्रीतराई ,प्रधान पाठक खिलेंद्र कुमार बघेल,सीएसी सूर्यकांत हरदेल, एसएमसी,अध्यक्ष श्रीमती नोमिन डहरिया, शिक्षक सूर्यप्रकाश ,पंच,ललित बघेल,प्रमोद निषाद,सुरेंद्र महिलांग ,ईश्वर डहरिया, जेके लक्ष्मी सीएसआर श्रीमती बिंदुसाहू मैडम शाला के समस्त कर्मचारियों की उपस्थिति और सहभागिता रही।यह कार्यक्रम बहुत ही अच्छा और सफलता पूर्वक समापन हुआ, विजय

बघेल ने रक्षाबंधन की शुभकामनाओं के साथ सभी बच्चो को राखी, मिठाई,और गिफ्ट देकर उत्साहवर्धन किया सभी को उज्जवल भविष्य की मंगल कामना दी शाला परिवार की ओर से प्रधान पाठक खिलेन्द्र बघेल ने आभार व्यक्त किया और कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए अभिनंदन साधुवाद दिया , शिक्षक सूर्यप्रकाश सोनकडे ने कार्यक्रम का संचालन किया।

श्री रामेश्वर महादेव मंदिर में जलाभिषेक

जांजगीर // समय दर्शन //आदर्श नगर चांपा श्री रामेश्वर महादेव मंदिर में बोल बम के नारे के साथ श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का जलाभिषेक किया। इस दौरान भक्तों ने उत्साह और श्रद्धा के साथ भगवान शिव की पूजा-अर्चना की और बोल बम के नारे लगाए। इस तरह के आयोजन न केवल धार्मिक महत्व रखते हैं, बल्कि समाज में एकता और सौहार्द को भी बढ़ावा देते हैं। आदर्श नगर निवासियों के लिए भी 08 अगस्त गौरवशाली दिन रहा है इस दिन सुबह से ही आदर्श नगर में शिवमय का माहौल रहा है आदर्श नगर में स्थित श्री रामेश्वर महादेव मंदिर वर्ष 2022 मार्च में प्राण प्रतिष्ठा हुआ था । श्री रामेश्वर महादेव मंदिर में सुबह से ही सभी भक्तों का आना-जाना लगा रहा। सावन माह समाप्त होने के पूर्व आदर्श नगर निवासियों के द्वारा श्री रामेश्वर महादेव मंदिर में प्रतिष्ठित शिवलिंग पर एक साथ जलाभिषेक किया 8 अगस्त को सुबह 7:00 बजे से ही सभी सदस्य मंदिर प्रांगण में इकट्ठा हुए एक साथ जल का अभिषेक किए। सभी सदस्यों द्वारा मंदिर प्रांगण हर हर महादेव एवम ओम नम शिवाय के जयकारे से गूंज उठा । सभी सदस्यों के द्वारा जल अभिषेक करने के बाद आरती में सम्मिलित हुए। आदर्श नगर में निवासरत मुख्य पुजारी श्री अनूप तिवारी जी के द्वारा भगवान शंकर जी की आरती किए गए। इस पूजा में आदर्श नगर के निवासी एवं श्री रामेश्वर महादेव समिति के सदस्य श्री भारत चंदेल, श्री बाबूलाल चंद्रा , श्री राम कुमार सिंह, श्री बद्रिका प्रसाद राठौर, श्री गणेश श्रीवास, श्री रामकृष्ण राठौर, श्री शिवनाथ राठौर, श्री ध्रुव सिंह,श्री दिलीप पाण्डेय,श्री विवेक केसरवानी, श्री मनोज सिंह, श्री आनंद सोनी , श्री उमेश सिंह, श्री मनमोहन चंद्रा, श्री कृष्ण कुमार पाण्डेय , श्री दामन साहू, श्री महेश चंद्रा एवं मोहल्ले वासियों की अधिक से अधिक संख्या में गरिमामय में उपस्थिति रही है*

ब्रिलिएंट पब्लिक स्कूल बनारी जांजगीर में रक्षाबंधन के उपलक्ष्य पर विशेष गतिविधि आयोजित

,जांजगीर //समय दर्शन //ब्रिलिएंट पब्लिक स्कूल बनारी जांजगीर में संस्था के संचालक श्री आलोक अग्रवाल एवं पप्राचार्या श्रीमती सोनाली सिंह जी के निर्देशन में दिनांक 8 8.2025 को रक्षा सूत्र कार्यक्रम के तहत पुलिस अधीक्षक कार्यालय जिला जांजगीर चाम्पा, ट्रैफिक पुलिस कार्यालय जांजगीर चंपा,तथा ग्यारहवीं बटालियन पुटपुरा जांजगीर ले जाया गया. जहां शिक्षक शिक्षिकाओं एवं विद्यार्थियों द्वारा सिपहिया एवं जवानों के लिए राखी पहुंचाई गई. संस्था के विद्यार्थियों द्वारा देश के वीर जवानों के लिए हाथ से राखी बनाई गई थी. सर्वप्रथम संस्था के कक्षा तीसरी एवं कक्षा चौथी के विद्यार्थियों को 11वीं बटालियन पुटपुरा ले जाया गया. विद्यार्थियों द्वारा वहां उपस्थित जवानों एवं सिपाहियों को राखी पहनाई गई. 11वीं बटालियन पुटपुरा के डिप्टी कमांडेड श्री संतोष कुमार बोरकर, कंपनी कमांडर श्री रंजीत तिग्गा, सूबेदार श्री प्रदीप तिर्की, प्रधान आरक्षक श्री पंकज साहू द्वारा ब्रिलिएंट परिवार की इस पहल को सराहा गया. साथ ही विद्यार्थियों को उपहार स्वरूप चॉकलेट पेन एवं शगुन दिया गया. विद्यार्थी उपहार पाकर अत्यंत प्रसन्न नजर आए. तत्पश्चात विद्यार्थियों को पुलिस अधीक्षक कार्यालय तथा ट्रैफिक पुलिस कार्यालय जांजगीर ले

जाया गया. विद्यार्थियों द्वारा पुलिस अधीक्षक श्री विजय कुमार पांडे, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री उमेश कश्यप, पुलिस उपाधीक्षक श्री विजय पैकरा एवं सिपाहियों को रक्षा सूत्र बांधी गई. पुलिस अधीक्षक द्वारा संस्था के विद्यार्थियों को चॉकलेट बांटी गई. साथ ही ट्रैफिक पुलिस उप अधीक्षक श्री उददयन बेहार, ट्रैफिक टी आई श्री लल्लन कुमार पटेल एवं ट्रैफिक विभाग के अन्य कर्मचारियों को भी राखी बांधी गई. ट्रैफिक पुलिस उप अधीक्षक द्वारा विद्यार्थियों को मिठाई वितरित किया गया. 11वीं बटालियन पुटपुरा, एसपी ऑफिस जांजगीर एवं ट्रैफिक पुलिस कार्यालय के समस्त कर्मचारियों द्वारा रक्षाबंधन त्यौहार के उपलक्ष में ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल की पहल रक्षा सूत्र कार्यक्रम की सराहना की गई. विद्यार्थियों में भी हर्ष एवं उल्लास देखने को मिला. इस अवसर पर हमारे विद्यालय के छात्र-छात्राएं उनसे भेंट कर रक्षा सूत्र बांधकर पुलिस बल के प्रति सम्मान आभार और विश्वास प्रकट किये. इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों में पुलिस के प्रति विश्वास सुरक्षा भावना तथा कर्तव्यों के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देना है. साथ ही संस्था प्रांगण में रक्षाबंधन त्यौहार के उपलक्ष पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया. कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के तैल्य चित्र प्पर दीप प्रज्वलित कर एवं फूल अर्पण कर किया गया. तत्पश्चात कक्षा आठवीं के विद्यार्थियों द्वारा पहलगाम एवं अहमदाबाद घटना पर आधारित नाट्य मंचन किया गया. तत्पश्चात कक्षा छठवीं एवं सातवीं के विद्यार्थियों द्वारा कविता प्रस्तुत किया गया. कक्षा 12वीं की छात्रा सौम्या तिवारी द्वारा भाषण एवं कक्षा चौथी के विद्यार्थियों द्वारा नृत्य प्रस्तुत किया गया. संस्था के संगीत शिक्षक श्री हेमंत गंधर्व एवं विद्यार्थी समर वीर द्वारा संगीत की धुन पर गीत प्रस्तुत किया गया. कक्षा 12वीं के विद्यार्थी मीर बरेठ द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया.कार्यक्रम मंच संचालन कक्षा ग्यारहवीं के विद्यार्थी प्रथमा पांडे एवं आराध्या शर्मा द्वारा किया गया. संपूर्ण कार्यक्रम का संचालन असेंबली इंचार्ज श्री स्वरूप रंजन करना एवं कक्षा 12वीं के विद्यार्थी त्रिशिका बजाज, मानसी खुटे, रिद्धि माखीजा सौम्या तिवारी एवं मीर बरेठ की देखरेख में पूर्ण कराया गया. साथ ही कक्षा पांचवी से लेकर कक्षा 12वीं तक के विद्यार्थियों द्वारा एकता को परिलक्षित करते हुए मिल बाटकर एक शाथ भोजन भी किया. संपूर्ण कार्यक्रम के सफल संचालन में संस्था के समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं,एडमिन स्टाफ एवं ग्रुप डी स्टाफ का विशेष योगदान रहा.

राष्ट्रीय हथकरघा दिवस पर मुख्यमंत्री को करघा भेंटकर किया अभिनंदन

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से बुनकर समाज के प्रतिनिधिमंडल ने की सौजन्य भेंट

रायपुर (समय दर्शन)। राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ बुनकर समाज के प्रतिनिधिमंडल ने राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से सौजन्य भेंट की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने सभी प्रतिनिधियों का आत्मीय स्वागत करते हुए उन्हें राष्ट्रीय हथकरघा दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। मुख्यमंत्री ने बुनकर समाज की सराहना करते हुए कहा कि हथकरघा कला हमारी समृद्ध विरासत है, जो प्रदेश को एक विशिष्ट पहचान दिलाती है और हमारी सांस्कृतिक अस्मिता को सशक्त बनाती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ का बुनकर समाज अपने श्रम, कौशल और रचनात्मकता के माध्यम से राज्य का गौरव बढ़ा रहा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार बुनकरों की समृद्धि, सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता के लिए बहुआयामी प्रयास कर रही है। कच्चा माल सुलभ कराने से लेकर लागत कम करने और विपणन की बेहतर सुविधाएँ प्रदान करने तक, हर मोर्चे पर योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बुनकरों की आत्मनिर्भरता ही उनकी रचनात्मक उड़ान को नई ऊँचाई दे सकती है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए वोकल फॉर लोकल के मंत्र का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह समय हमारे पारंपरिक उत्पादों और हुनर को प्रोत्साहन देने का है। हथकरघा उद्योग केवल आजीविका का माध्यम नहीं, बल्कि सांस्कृतिक चेतना का जीवंत प्रतीक है, जिसे बुनकर समाज आज भी सहेजे हुए है।

इस अवसर पर समाज के सदस्यों ने मुख्यमंत्री को बुनकरों द्वारा निर्मित करघा (कपड़ा बुनने की पारंपरिक मशीन) की प्रतिकृति भेंट की। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपकी यह भेंट न केवल आपके सम्मान और भावनाओं का प्रतीक है, बल्कि सृजन, परंपरा और हमारे प्रदेश के सांस्कृतिक मूल्यों का भी प्रतीक है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने आश्वस्त किया कि छत्तीसगढ़ सरकार बुनकर समाज के हर संभव सहयोग के लिए पूर्णत: प्रतिबद्ध है और उनके सर्वांगीण विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा कि आने वाला समय बुनकरों के सम्मान, समृद्धि और सशक्तिकरण का होगा।

इस अवसर पर बुनकर समाज के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री महेश देवांगन, श्री पुरुषोत्तम देवांगन, श्री धनेश देवांगन, श्री गजेंद्र देवांगन सहित अन्य वरिष्ठ सदस्य उपस्थित थे।

फ़सल परिवर्तन के लिए हर गांव की अलग-अलग कार्ययोजना पर जोर

रायपुर (समय दर्शन)। बिलासपुर राजस्व संभाग के आयुक्त श्री सुनील जैन की अध्यक्षता में हुई संभाग स्तरीय जल उपयोगिता समिति की बैठक में सिंचाई जलाशयों में जलभराव और फ़सलों के ताजा हालात की समीक्षा की गई। बैठक में बताया गया कि गत वर्षों की तुलना में इस वर्ष पर्याप्त वर्षा होने से खेती-किसानी के काम सुचारू रूप से चल रहे हैं। किसानों की ओर से कहीं से भी जलाशयों से कृषि कार्य के लिए पानी छोड़ने की मांग नहीं आई है। बिलासपुर संभागायुक्त कार्यालय में आयोजित बैठक में विधायक श्री व्यास कश्यप और श्री फूलसिंह राठिया, बिलासपुर के कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल और जल संसाधन विभाग के अधीक्षण अभियंता श्री जी.डी. रामटेके सहित संभाग स्तरीय अधिकारी मौजूद थे। संभाग के अन्य जिलों के कलेक्टर एवं अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बैठक में शामिल हुए। जल संसाधन विभाग के अधिकारियों ने बैठक में बताया कि बिलासपुर संभाग के सभी बड़े, मध्यम एवं लघु जलाशयों में निस्तार एवं सिंचाई के लिए पर्याप्त मात्रा में जल उपलब्ध है। मिनी माता हसदेव बांगो परियोजना में 74 प्रतिशत, खारंग जलाशय में 110 प्रतिशत, मनियारी जलाशय में 109 प्रतिशत, निर्माणाधीन अरपा भैंसाझार बैराज में 20 प्रतिशत और केलो परियोजना में 49 प्रतिशत जल भराव है। मध्यम परियोजना के अंतर्गत घोंघा जलाशय में 102 प्रतिशत, केदार जलाशय में 75 प्रतिशत, पुटका जलाशय में 60 प्रतिशत, किंकारी जलाशय में 96 प्रतिशत और खम्हार पाकुर जलाशय में 100 प्रतिशत जल भराव है। संभाग के अंतर्गत 621 लघु जलाशय हैं जिनमें औसत रूप से 82 प्रतिशत जल भरा हुआ है। बैठक में रबी सिंचाई वर्ष 2024-25 की उपलब्धियों एवं खरीफ सिंचाई 2025-26 के लक्ष्य प्राप्ति की विस्तृत समीक्षा की गई। संभागायुक्त श्री सुनील जैन ने बैठक में खाद-बीज की उपलब्धता एवं वितरण की भी समीक्षा की। उन्होंने स्थानीय स्तर पर किसानों के संगठनों (एफ़पीओ) के जरिए बीज उत्पादन कार्यक्रम लिए जाने पर जोर दिया। उन्होंने एफ़पीओ को बीज प्रक्रिया केन्द्र में बीज उत्पादन कार्यक्रम में शामिल करने की अनुमति के लिए राज्य शासन को प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए। श्री जैन ने डीएपी के विकल्प के रूप में अनुशंसित खाद के उपयोग के संबंध में जागरूकता एवं इनकी उपलब्धता सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए।

बने खाबो-बने रहिबो÷ सघन जांच एवं जागरूकता अभिया के तहत मिठाइयों और नमकीन के लिए गए दर्जनों सैम्पल

रायपुर (समय दर्शन)। बरसात के मौसम में खाद्य जनित बीमारियों और संक्रमण की रोकथाम तथा आगामी रक्षाबंधन त्योहार के दौरान मिलावटी मिठाईयों आदि की जांच के लिए नियंत्रक खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग के निर्देशानुसार प्रदेश में बने खाबो-बने रहिबो सघन जांच एवं जागरूकता अभियान 4 से 6 अगस्त तक चलाया गया। गौरेला पेंड्रा मरवाही के अभिहित अधिकारी एवं एसडीएम पेण्ड्रारोड ऋचा चंद्राकर के निर्देशन में वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी नीलम ठाकुर द्वारा जिले के तीनों ब्लॉक गौरेला, पेंड्रा एवं मरवाही में विशेष जांच एवं जागरूकता अभियान चलाकर जिलेभर के दर्जनों होटलों से मिठाइयों और नमकीन के नमूने लिए गए। अभियान के दौरान विपुल स्वीट एवं रेस्टोरेंट, देवा होटल, कृष्णा स्वीट्स, करणी जोधपुर मिष्ठान भंडार, कान्हा स्वीट्स, जैन साहब स्वीट्स, मानव मंदिर, जैन स्वीट्स, स्वीट इंडिया, प्रयागराज मिर्जापुर चटोरी सेंटर, श्रीनाथ स्वीट्स और गुप्ता होटल शामिल है। इन होटलों से खोवा जलेबी, पेड़ा, खोवा लड्डू, खुला मिक्चर, दालमोठ, मगज लड्डू, सोनपापड़ी, रसगुल्ला, दूध बर्फी, नारियल बर्फी, चम-चम, मिल्क केक, काजू कतली, सोन केक, गुझिया, खजूर रोल, आलू मसाला, सेव और जलेबी के सैंपल एकत्र किए गए हैं, जिन्हें जांच के लिए खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग के राज्य प्रयोगशाला भेजा गया है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा बताया गया कि जिलेभर के 30 से अधिक स्ट्रीट फूड वेंडर, हैंडलर, खाद्य सेवा देने वाले दुकानदार, होटल, ढाबा, रेस्टोरेंट में दबिश देकर बरसात के दौरान खाद्य पदार्थों की सुरक्षित रखरखाव, स्वच्छता, होटल एवं दुकानों में संचालकों और कर्मचारियों की व्यक्तिगत स्वच्छता, ताजा और स्वच्छ भोजन एवं नाश्ता की जांच भी की गई। अभियान के दौरान स्वछता और अखबारी एवं प्रिंटेड पेपर इस्तिमाल को लेकर 12 से अधिक दुकानदारों को नोटिस थमाते हुए नास्ते में अखबार या प्रिंटेड पेपर का इस्तेमाल नहीं करने और साफ-सफाई पर विशेष ध्यान रखने सख्त चेतावनी दी गई।

स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने बीजापुर के भैरमगढ़ स्वास्थ्य केंद्र का किया निरीक्षण

रायपुर (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल तीन दिवसीय बस्तर संभाग के दौरे पर हैं। इस दौरान श्री जायसवाल ने बीजापुर जिले के भैरमगढ़ ब्लॉक स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एवं आयुष्मान आरोग्य मंदिर जांगला का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति की समीक्षा की तथा बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भैरमगढ़ को 100 बिस्तर अस्पताल बनाने की घोषणा की। इस अवसर पर श्री जायसवाल ने सामुदायिक स्वास्थ्य स्वास्थ्य केन्द्र भैरमगढ़ में ष्निक्षय मित्रष् योजना के तहत टीबी मरीजों को पोषण युक्त फूड बास्केट वितरित कर समय पर नियमित रूप से दवाई सेवन करने की समझाइस दी। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि आदिवासी बहुल क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करने के लिए राज्य सरकार सतत् प्रयासरत है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा बीजापुर के जांगला में प्रारंभ की गई आयुष्मान भारत योजना का लाभ अब पूरे देश में और सुदूर क्षेत्रों तक पहुँच रहा है। स्वास्थ्य मंत्री ने जांगला में ष्एक पेड़ मां के नामष् अभियान के तहत वृक्षारोपण किया और जांगला के आयुष्मान आरोग्य मंदिर के निरीक्षण के दौरान वरिष्ठ नागरिकों को आयुष्मान वय वंदना कार्ड का वितरण भी किया । उन्होंने जांगला ष्आयुष्मान आरोग्य मंदिरष् को एक मॉडल हेल्थ सेंटर के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए तथा उसके भवन की मरम्मत के लिए आवश्यक स्वीकृति प्रदान की। निरीक्षण के दौरान सीजीएमएससी के चेयरमैन श्री दीपक म्हस्के, स्वास्थ्य विभाग के सचिव श्री अमित कटारिया, आयुक्त सह संचालक स्वास्थ्य विभाग डॉ. प्रियंका शुक्ला, कलेक्टर श्री संबित मिश्रा, पुलिस अधीक्षक डॉ. जितेन्द्र यादव, सीईओ जिला पंचायत श्रीमती नम्रता चौबे सहित वरिष्ठ अधिकारीगण भी उपस्थित रहे। उन्होंने स्वास्थ्य केंद्र में इलाज की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश देते हुए कहा कि सभी नागरिकों को समय पर उचित और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं मिलनी चाहिए।

मध्य भारत के किसी भी सरकारी अस्पताल में पहली बार पाईपेक पद्धति के तीन सेशन के जरिये कैंसर रोगी का सफल उपचार

पेट की झिल्ली के कैंसर में तीन सत्रों में हुआ पाईपेक कीमोथेरेपी का सफल प्रयोग

रायपुर (समय दर्शन)। पंडित जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय से संबद्ध डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय स्थित सर्जिकल आंकोलॉजी विभाग (क्षेत्रीय कैंसर संस्थान) के डॉक्टरों ने पेट की झिल्ली के कैंसर (Peritoneal Carcinomatosis) के इलाज में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। यहां पेट की झिल्ली के कैंसर से पीड़ित एक 54 वर्षीय महिला मरीज का पाईपेक (PIPAC Ñ Pressurized Intraperitoneal Aerosol Chemotherapy) तकनीक से उपचार किया गया, जिसमें मरीज ने सफ़लतापूर्वक तीन सत्र पूरे किए। यह मध्य भारत के किसी भी सरकारी संस्थान में इस प्रक्रिया का पहला सफ़ल उदाहरण माना जा रहा है। क्षेत्रीय कैंसर संस्थान के डॉ. आशुतोष गुप्ता के अनुसार पाईपेक एक नवीन और उन्नत तकनीक है जिसमें कीमोथैरेपी की दवा को अत्यंत सूक्ष्म कणों में एयरोसोल के रूप में पेट की गुहा में दबाव के साथ डाला जाता है। इससे दवा सीधे कैंसर कोशिकाओं तक पहुँचती है और पूरे शरीर में फैलने वाले दुष्प्रभावों से भी बचा जा सकता है। इस प्रक्रिया में केवल दो छोटे- छोटे छेदों से दवा पहुंचाई जाती है, जिससे पारंपरिक सर्जरी की तुलना में मरीज को ज्यादा आराम मिलता है। यह प्रक्रिया उन मरीजों के लिए उपयोगी साबित होती है जिनमें सामान्य कीमोथैरेपी या सर्जरी कारगर नहीं होती। शोध के अनुसार, पाईपेक से उपचार प्राप्त करने वाले 60-80त्न मरीजों में सुधार देखा गया है। उल्लेखनीय है कि इस प्रक्रिया से अधिकांश मरीज एक से अधिक सत्र नहीं ले पाते, क्योंकि मरीज का चयन, उपचार के बाद होने वाली देखरेख, पोस्ट ऑपरेटिव केयर ठीक ढंग से नहीं होने पर उपचार के बाद जटिलता होने की संभावना बनी रहती है लेकिन पं. नेहरू स्मृति चिकित्सालय के कैंसर रोग विभाग में इलाज करा रहे मरीज ने तीनों सत्र पूरे कर लिए और वर्तमान में उनकी स्थिति स्थिर है तथा वे सामान्य जीवन जी रही हैं। चिकित्सा महाविद्यालय रायपुर के डीन डॉ. विवेक चौधरी ने कहा है कि यह सफ़लता आंकोसर्जरी विभाग के चिकित्सकों की टीम की अनुभवशीलता, सूझबूझ और अत्याधुनिक तकनीकों के समुचित उपयोग का परिणाम है। विभाग की यह उपलब्धि छत्तीसगढ़ ही नहीं, बल्कि पूरे मध्य भारत के कैंसर रोगियों के लिए आशा की एक नई किरण है। मेडिकल कालेज रायपुर से संबद्ध डॉ भीमराव अम्बेडकर अस्पताल के अधीक्षक डॉ. संतोष सोनकर ने कहा है कि पेट की झिल्ली के बढ़े हुए कैंसर में पाईपेक पद्धति से कीमोथैरेपी का तीन बार सफ़ल प्रयोग न केवल इस संस्थान की उपलब्धि को दर्शाता है, वरन् इस प्रकार के कैंसर के अन्य मरीजों के लिए एक उम्मीद भी जगाती है। सफ़लतापूर्वक तीन सेशन होना मध्य भारत में हमको अग्रणी चिकित्सा संस्थान के रूप में दर्ज करता है।

उपचार के महत्वपूर्ण तथ्य- पाईपेक में कीमोथैरेपी दवा को एयरोसोल (fine mist) के रूप में पेट की गुहा (Peritoneal cavity) में डाला जाता है। इस प्रक्रिया का प्रयोग उन कैंसर के मरीजों में लाभ देता है, जहां सामान्य शल्य चिकित्सा, सामान्य कीमोथेरेपी सक्षम नहीं होती या जिनकी बीमारी बढ़े हुए स्तर की होती है। यह उन्नत पेट के कैंसर जैसे कि कोलन, अंडाशय और पेरीटोनियल मेटास्टेसिस में उपयोगी पाई गई है। यह एक अनुसंधानात्मक/उन्नत विधि है जो सीमित सेंटरों पर उपलब्ध होती है। देश में यह प्रक्रिया कुछ निजी व उच्चतर शासकीय संस्थानों (जैसे एम्स दिल्ली, टाटा मेमोरियल मुंबई) में प्रारंभ हुई थी। वर्तमान में पं.नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय रायपुर ने यह प्रक्रिया पूर्ण की है, जो एक उल्लेखनीय उपलब्धि है।

संक्षिप्त समाचार

सरोना में बनेगा 100 बिस्तरों का आधुनिक अस्पताल

रायपुर (समय दर्शन)। रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के सरोना में अब जल्द ही 100 बिस्तरों वाला अत्याधुनिक अस्पताल बनकर तैयार होगा। ?18 करोड़ 26 हजार रुपये की लागत से बनने वाले इस अस्पताल को राज्य सरकार की मंजूरी मिल चुकी है।

इलाज अब यहीं, बड़े शहर जाने की जरूरत नहीं- इस अस्पताल के बनने से सरोना और आसपास के हजारों लोगों को स्थानीय स्तर पर ही प्राथमिक से लेकर आपातकालीन चिकित्सा सेवाएं मिलेंगी। मरीजों को अब सामान्य इलाज से लेकर सर्जरी, प्रसूति, शिशु रोग, एक्स-रे, पैथोलॉजी, ओपीडी और दवाइयों की सुविधा एक ही जगह मिलेगी।

पहली बार, भवन से पहले पदों की स्वीकृति- इस परियोजना की खास बात यह है कि भवन निर्माण से पहले ही राज्य शासन ने पद संरचना को स्वीकृति दे दी है। यह राज्य में स्वास्थ्य क्षेत्र में योजना और क्रियान्वयन का एक नया मॉडल माने जा रहा है।

रोजगार और राहत—दोनों साथ- अस्पताल के निर्माण से जहां आम लोगों को बेहतर इलाज मिलेगा, वहीं स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। डॉक्टर, नर्सिंग स्टाफ़ तकनीकी कर्मी और अन्य सहायक कर्मचारियों की भर्ती से युवाओं को सीधा लाभ होगा।

जनता में उत्साह, सरकार को धन्यवाद- स्वीकृति की खबर सामने आते ही सरोना और आसपास के इलाकों में खुशी का माहौल है। लोगों ने लंबे समय से चली आ रही मांग पूरी होने पर मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री का आभार जताया है। सरोना में प्रस्तावित 100 बिस्तरों वाला यह अस्पताल रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं का नया केंद्र बनेगा। यह पहल छत्तीसगढ़ सरकार की जनहित में प्रतिबद्धता और प्रदेश के स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक ठोस कदम है।

शेयर ट्रेडिंग के नाम पर 59 लाख की ठगी, आरोपी राजस्थान से गिरफ्तार

रायपुर (समय दर्शन)। शेयर ट्रेडिंग में मोटा मुनाफ़ा दिलाने का झांसा देकर रायपुर निवासी कारोबारी से 59 लाख रुपये की ठगी करने वाले आरोपी को राजस्थान के जयपुर से गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी की पहचान प्रदीप जैन (48 वर्ष) के रूप में हुई है, जो मानसरोवर कॉलोनी, जयपुर का निवासी है।

क्या है मामला ?- विकास लाहोटी, निवासी जयश्री विहार, पंडरी रायपुर ने रेंज साइबर थाना रायपुर में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि एक अज्ञात शख्स ने उसे शेयर ट्रेडिंग में लाभ दिलाने का लालच देकर 59 लाख रुपये की धोखाधड़ी की। शिकायत पर थाना रेंज साइबर रायपुर में अपराध क्रमांक 04/24 धारा 420, 34 भादवि के तहत मामला दर्ज किया गया था।

आरोपी का हाई-टेक ठगी नेटवर्क- प्रदीप जैन द्वारा ठगी के लिए अलग-अलग फ़र्जी कंपनियां बनाकर, बैंक खातों की श्रृंखला तैयार की गई थी। उसने लगातार पते बदलकर बैंकों में खाते खुलवाए और साथियों के माध्यम से देशभर में लोगों से रकम जमा करवाई। इन खातों से जुड़े ट्रांजेक्शन के आधार पर यह भी सामने आया कि आरोपी के बैंक खातों में देश के 57 से ज्यादा साइबर सेल और पुलिस थानों में रिपोर्ट दर्ज हैं।

तकनीकी जांच से मिली सफ़लता- पुलिस महानिरीक्षक श्री अमरेश मिश्रा के निर्देश पर रेंज साइबर टीम ने आरोपियों के मोबाइल नंबर, बैंक खाते और वॉट्सएप चैट की गहराई से तकनीकी जांच की। जांच में जुटे डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर टीम ने प्रदीप जैन को 07 अगस्त 2025 को जयपुर से गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया। एक हाई-प्रोफ़ाइल साइबर ठग को पकड़कर रायपुर साइबर टीम ने ठगी के गिरते मामलों के बीच एक बड़ी सफ़लता दर्ज की है। आरोपी के खिलाफदेशभर में कई मामले दर्ज हैं, जिससे यह गिरफ्तारी सैकड़ों पीड़ितों के लिए राहत की खबर साबित हो सकती है। पुलिस की तकनीकी टीम की सतर्कता और तेज़ कार्रवाई ने एक और साइबर फ्रॉड नेटवर्क की कड़ी तोड़ दी है।

मोबाइल चुराकर ऑनलाइन ठगी करने वाले 4 अंतरराज्यीय आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। रायपुर में मोबाइल फोन चोरी और ऑनलाइन ट्रांजेक्शन के जरिए ठगी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ हुआ है। झारखंड और पश्चिम बंगाल से चार मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। यह कार्रवाई गुढ़ियारी और तेलीबांधा थाना क्षेत्र में दर्ज मामलों की तफ्तीश के दौरान की गई।

क्या है मामला ?- शिकायतकर्ता गोविंद राम वाधवानी ने तेलीबांधा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 22 जून को सब्जी बाजार में अज्ञात युवक ने उसके हाथ से मोबाइल झपट लिया और मोबाइल के UPI से 1.85 लाख रुपये दो खातों में ट्रांसफ़र कर दिए।

कैसे पकड़े गए आरोपी ?- रायपुर पुलिस की एंटी क्राइम और साइबर यूनिट व गुढ़ियारी थाना पुलिस की टीम ने झारखंड के साहेबगंज और कोलकाता (पश्चिम बंगाल) में कई दिन कैंप कर गिरोह के चार सदस्यों को पकड़ा। टीम ने कांवड़िये का वेश धारण कर आरोपियों को चकमा देकर गिरफ्तार किया।

गिरफ्तार आरोपी: देवा उर्फ देव कुमार महतो (सरगना), साहेबगंज, झारखंड कन्हैया कुमार मंडल, साहेबगंज, झारखंड विष्णु कुमार मंडल, साहेबगंज, झारखंड ओम प्रकाश ठाकुर, कोलकाता, पश्चिम बंगाल

अब तक की कार्रवाई:- आरोपियों से 3 मोबाइल फोन, 2 सिम कार्ड, 40+ QR कोड, और करोड़ों की ट्रांजेक्शन से जुड़े डेटा बरामद गिरोह ने अप्रैल से जून के बीच देशभर में 80 से अधिक मोबाइल चोरी की वारदातें कबूली।

संपादकीय

श्रद्धालुओं की भीड़ संभालने असफल क्यों

हरिद्वार के प्रसिद्ध मनसा देवी मंदिर में मची भगदड़ में आठ श्रद्धालु मर गये तथा तीस से अधिक गंभीर घायल बताए जा रहे हैं। यह मंदिर पहाड़ी पर है, जहां पहुंचने के लिए आठ सौ सीढ़ियां हैं। मृतकों में चार उप्र के व एक-एक बिहार व उत्तराखंड के बताए जा रहे हैं। सावन माह में मंदिर में भारी भीड़ होती है। बताया जा रहा है कि मंदिर से करीब सौ मीटर पहले ही धक्का-मक्की के चलते करीब लटक रहे तार को सहारे के लिए लोगों ने पकड़ने की कोशिश की, जिससे करेंट लगने से अफरा-तफरी मच गई। हड़बड़ाहट में कुछ लोगों के गिरते ही भगदड़ मच गई। हरिद्वार की शिवालिक पहाड़ियों पर बना यह मंदिर बिल्व पर्वत पर पौड़ी से तीन किलोमीटर दूर है। महंत इसे मंदिर परिसर के भीतर नहीं हुई घटना कह कर हाथ झाड़ रहे हैं और सरकार ने मुआवजा घोषित कर रस्म अदा कर दी। इसी समय उप्र के बाराबंकी के औसानेर मंदिर में मची भगदड़ में दो की मौत हो गयी। मृतक के भाई का आरोप है, वहां तार सुलगते देखा गया था। पूजास्थलों में चढ़ावा और श्रद्धालुओं को बटोरने की होड़ किसी से छिपी नहीं है। स्थानीय प्रशासन या राज्य सरकारें श्रद्धालुओं की भीड़ को संभालने का जिम्मा सलीके से लेने में क्यों असफल हैं। महीना भर पहले ही पुरी में रथ-यात्रा के दौरान मची भगदड़ में तीन भक्तों की मौत हुई है। उससे पहले गोवा में भंदिर उत्सव में भगदड़ में छह मरे थे और इसी जनवरी में तिरुपीति में भी छह श्रद्धालु कुचल कर मारे गए थे। देश के विभिन्न धर्मस्थलों में प्रतिवर्ष होने वाले इन धार्मिक आयोजनों के बारे में सबको पहले से खबर होती है। दुनिया की सबसे बड़ी जनसंख्या वाला मुल्क अपने बाशिंदों की जान को लेकर कितना संवेदनहीन हो रहा है। खासकर धर्म को अपना मुख्य एजेंडा बनाने वाली सत्ताधारी पार्टी का जिम्मा है कि वह भक्तों की सुरक्षा के प्रति लापरवाह रवैया बदले। किसी भी बड़े धार्मिक उत्सव/त्योहार को लेकर आयोजकों, मंदिर व्यवस्थापकों व स्थानीय प्रशासन व पुलिस को चेतावनी देनी होगी। समाज में धर्मपरायण व मान्यताओं के प्रति अगाध श्रृद्धा रखने वालों की संख्या का अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है। विशेष अवसरों पर पूजा-अर्चना करने वालों की संख्या साल-दर-साल बढ़ती ही है। प्रशासन व पुलिस को भीड़ संभालने का प्रशिक्षण दिया जाए। भगदड़ जैसी घटनाएं घोर लापरवाही की श्रेणी में आती हैं। मुआवजों के भरोसे व्यवस्था नहीं सुधारी जा सकती। इस पर केंद्र को स्पष्ट निर्देश देने चाहिए।

भारतीय हथकरघा के लिए नवाचार और स्थायित्व के साथ भविष्य बुनना

गिरिराज सिंह

हथकरघा क्षेत्र भारत में सबसे बड़ा कुटीर उद्योग है, जो देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और 3.5मिलियन से अधिक लोगों को आजीविका प्रदान करता है।स्थानीय बुनकरों द्वारा नैतिक रूप से निर्मित हथकरघा और दस्तकारी वस्त्र, बड़े पैमाने पर उत्पादित फास्ट फैशन का एक सार्थक विकल्प प्रस्तुत करते हैं।ऐसा करके, वे भारत की समृद्ध विरासत को आधुनिक विश्व के लिए एक व्यापक स्थिरता की कहानी में शामिल करते हैं। टिकाऊ वस्त्र इको-सिस्टम के निर्माण के लिए ग्रामीण हथकरघा और हस्तशिल्प क्लस्टरों को सहायता देना महत्वपूर्ण है।ये क्लस्टर भारतीय शिल्पकला की उन जीवंत परम्पराओं का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिन्हें परिवारों और समुदायों द्वारा पीढ़ियों से कायम रखा गया है।निजी क्षेत्र और सामाजिक उद्यमों ने इस क्षेत्र को पुनर्जीवित करने में सराहनीय भूमिका निभाई है।उनका कार्य पर्यावरण अनुकूल सामग्रियों के साथ नवाचार, स्थानीय स्रोत,रि-साईकिलिंग और अप-साईकिलिंग, तथा पारंपरिक प्रथाओं के साथ प्रौद्योगिकी को एकीकृत करने तक फैला हुआ है।ये प्रयास सहयोग के माध्यम से कारीगर समुदायों को सशक्त बनाने, शिल्पकारों और डिजाइनरों के बीच साझेदारी बनाने, उपभोक्ता जागरूकता बढ़ाने और कारीगरों को वैश्विक बाजारों से जोड़ने पर भी ध्यान केंद्रित करते हैं।जापान के ओसाका में आयोजित विश्व एक्सपो 2025 और अमेरिका के सांता फे में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय लोक कला बाजार जैसे प्रतिष्ठित मंचों पर भारतीय शिल्पकारों की हालिया भागीदारी उनकी अनुकूलनशीलता और वैश्विक अपील को दर्शाती है। भारत सरकार अनेक योजनाओं और पहलों के माध्यम से वस्त्र पारिस्थितिकी तंत्र (टेक्सटाइल इको-सिस्टम) का समर्थन करती है।इनमें कच्चे माल की खरीद, करघों और सहायक उपकरणों आदि की खरीद के लिए वित्तीय सहायता, महिला सशक्तिकरण के लिए प्रोत्साहन, कौशल विकास कार्यक्रम तथा पारंपरिक हथकरघों के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु मार्केटिंग प्रयास शामिल हैं। पर्यावरण-अनुकूल और सर्कुलर प्रोडक्ट्स को बढ़ावा देने, जैविक कच्चे माल तक पहुँच में सुधार लाने और नैतिक प्रथाओं के माध्यम से प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने पर भी ज़ोर दिया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 'वोकल फॉर लोकल' और 'आत्मनिर्भर भारत' जैसी पहलों ने हथकरघा बुनकरों के लिए अवसरों का काफी विस्तार किया है।'कौशल भारत' और 'डिजिटल भारत' जैसे अन्य कार्यक्रम कारीगरों को अपने कौशल को अपग्रेड करने और अपने कार्यस्थलों से सीधे बड़े बाजारों तक पहुंचने में सक्षम बना रहे हैं। इस क्षेत्र के विकास को बनाए रखने के लिए हथकरघा परंपराओं का दस्तावेजीकरण और संरक्षण भी समान रूप से आवश्यक है।वस्त्र मंत्रालय के नेतृत्व में डिजिटल संग्रह, भारतीय वस्त्र एवं शिल्प कोष,पारंपरिक और समकालीन ज्ञान दोनों को संग्रहित करके इस उद्देश्य की पूर्ति करता है।यह मंच अनुसंधान डेटा, डिजाइनर और कारीगर प्रोफाइल, एक वर्चुअल संग्रहालय और डिजिटल प्रदर्शनियां उपलब्ध कराता है, जिससे यह विद्वानों, शिक्षार्थियों और शिल्प उत्साही लोगों के लिए एक मूल्यवान संसाधन बन जाता है। हथकरघा क्षेत्र को अधिक लक्ष्य-उन्मुख और लाभदायक बनाने के लिए व्यवसाय-केंद्रित रणनीति आवश्यक है।को-ऑप्टेक्स, बोयानिका अथवा टाटा ट्रस्ट द्वारा अन्तरान जैसे हथकरघा मार्केटिंग संगठनों की केस स्टडी से पता चलता है कि व्यवस्थित योजना, चाहे वह समितियों, सहकारी समितियों के प्रोत्साहन के माध्यम से हो अथवा गैर-लाभकारी संस्थाओं के साथ सहयोग के माध्यम से हो, हथकरघा बुनकरों की आय और आजीविका में महत्वपूर्ण सुधार ला सकती है। इसे हासिल करने के कई तरीके हैं। पारंपरिक और आधुनिक, दोनों बाज़ारों के लिए नए डिज़ाइन विकसित करने के साथ-साथ पारंपरिक डिज़ाइनों को पुनर्जीवित करना, खासकर थीम-आधारित प्रदर्शनियों के ज़रिए, ग्राहकों को शिक्षित करने और माँग बढ़ाने में मदद कर सकता है

एक भाव है राखी, हर भाई-बहन को बांधती है स्नेह की डोर से

राजेश जैन

रक्षाबंधन हर साल आता है पर हर साल कुछ नया दे जाता है- नई यादें, वादे और भरोसे। यह त्योहार हमें याद दिलाता है कि रिश्तों की असली मिठास महंगे उपहार में नहीं बल्कि उस धागे में होती है जो प्रेम, विश्वास और अपनेपन से बुना होता है। इसलिए भले ही राखी का धागा है बहुत हल्का हो लेकिन जब बहन अपने भाई की कलाई पर इसको बांधती है तो स्नेह का बंधन और मज़बूत हो जाता है।

रक्षाबंधन कोई साधारण पर्व नहीं है. यह रिश्तों के गहराते रंगों का उत्सव है जो साल में एक बार भाई-बहन के बीच उस अनकहे वादे को फिर से ज़िंदा करता है — मैं हमेशा तुम्हारी रक्षा करूंगा। लेकिन क्या यह सिर्फएक रस्म है? नहीं। रक्षाबंधन असल में उस भाई के स्नेह, जिम्मेदारी और साथ के अहसास का नाम है जिसे शब्दों में बांधना मुश्किल है। जब बहन राखी बांधती है तो वह सिर्फसुरक्षा की मांग नहीं करती. वह अपने भाई से यह भरोसा भी मांगती है कि जब दुनिया उसके खिलाफ खड़ी हो तो उसका भाई उसके साथ खड़ा रहेगा—बिना सवाल, बिना शर्त।

हर लड़की के जीवन में उसका भाई पहला ऐसा लड़का होता है जिससे वह बिना झिझक प्यार करती है। वह उसके साथ खेलती है, लड़ती है, शिकायत करती है, फिर उसी से सबसे ज़्यादा हंसती है। भाई वह होता है जो उसे स्कूल ले जाता है, कभी चुपके से मां से पैसे लेकर उसकी फेवरेट आइसक्रीम दिला देता है तो कभी उसकी गुड़िया के बाल खुद सँवार देता है। छोटे भाई के लिए बड़ी बहन मां जैसी होती है और बड़े भाई के लिए छोटी बहन उसकी दुनिया में सबसे कीमती और इस रिश्ते में जो चीज़ सबसे खूबसूरत है— वह है स्नेह। वह स्नेह जो कभी चॉकलेट के झगड़े में छिपा होता है, कभी खिलौनों की साझेदारी में और कभी उस वक्त में जब बहन चुपके से भाई के लिए उसकी फेवरेट शर्ट खरीद लाती है। जैसे-जैसे समय बीतता है, भाई-बहन बड़े हो जाते हैं। उनके रास्ते बदल जाते हैं। कोई हॉस्टल चला जाता है, कोई शादी के बाद दूसरे शहर लेकिन जब राखी आती है तो बचपन की सारी यादें लौट आती हैं। भाई फिर से वही नटखट बच्चा बन जाता है जो राखी बंधवाकर बहन की थाली में सबसे पहले मिठाई उठाता था और बहन भी वही बन जाती है जो हर बार राखी बांधते वक्त बस इतना ही सोचती थी— मेरा भाई हमेशा खुश रहे।

भाई का स्नेह -एक अनकही ज़िम्मेदारी- भाई का प्यार अक्सर चुप होता है। वह ना तो हर दिन कहता है-आई लव यू सिस, ना ही सोशल मीडिया पर बहन की फोटो पर ढेरों दिल बनाता है लेकिन जब बहन बीमार होती है, तो उसकी दवाई लाने वाला पहला इंसान वही होता है। जब बहन किसी बात पर उदास होती है, तो उसे सबसे पहले समझने की कोशिश भी वही करता है — भले ही उसके पास कहने के लिए शब्द न हों।

भाई का स्नेह शब्दों में नहीं, कर्म में दिखता है। वह अपनी बहन की हर ज़रूरत को बिना कहे समझ जाता है। जब बहन के ससुराल में पहली राखी होती है तो भाई मीलों दूर से बस इसलिए आता है कि उसकी बहन अकेली महसूस न करे। जब बहन की शादी होती है तो सबसे ज्यादा भावुक उसका भाई होता है लेकिन वह आंसू छुपाकर सबको हंसाता है।

भाई का प्यार रक्षा तक सीमित नहीं होता। वह अपनी बहन के सपनों में भी उसकी ढाल बनता है। जब बहन डॉक्टर, इंजीनियर या कलाकार बनना चाहती है और समाज ताने देता है, तब उसका भाई उसके लिए आवाज़ उठाता है। वह सिर्फउसका रक्षक नहीं, उसका चीयर लीडर भी होता है—वह चुपचाप पीछे खड़ा होता है लेकिन बहन की हर उड़ान में उसकी ताकत बन जाता है।

बचपन की राखी से ज़िंदगी के रिश्ते तक- बहुत से भाई-बहन बचपन में राखी को बस एक रस्म मानते हैं। फिर से वही राखी? या कितनी बार ये धागा बाँधोगी? जैसे डायलॉग्स अक्सर सुनाई देते हैं लेकिन जैसे-जैसे वक्त बीतता है और ज़िम्मेदारियां बढ़ती हैं —राखी सिर्फकेवल त्यौहार नहीं रह जाती, वह एक भाव बन जाती है। जो भाई कभी राखी को बोझ समझता था, वही कलाई बहन के आगे कर देता है। जो बहन पहले उपहार को लेकर झगड़ती थी, वही बाद में कहती है— कुछ मत देना भाई, बस तुम खुश रहना।

दरअसल, रक्षाबंधन वक्त के साथ बदलता नहीं, बल्कि और गहराता है। यह रिश्ता हर साल उस धागे से और मज़बूत होता है जो बहन अपने हाथों से प्यार से बांधती है। हर बार राखी भाई को उसकी ज़िम्मेदारियाँ याद दिलाती है — कि यह बहन तुम्हारी ताकत है, तुम्हारी गरिमा है, और तुम्हारी प्राथमिकता भी।

दूरी हो या मजबूरी, रिश्ता कमज़ोर नहीं होता- आजकल बहुत से भाई-बहन एक-दूसरे से दूर रहते हैं। कोई विदेश में पढ़ाई कर रहा है, कोई नौकरी के सिलसिले में शहर से दूर है। कभी-कभी बहन की शादी किसी ऐसे घर में होती है जहां राखी पर मायके आना मुमकिन नहीं होता। लेकिन तब भी, एक लिफाफे में भेजी गई राखी, एक वीडियो कॉल पर बांधा गया धागा, या सिर्फएक हैप्पी राखी भाई का मैसेज भी वही भाव लिए होता है।

रिश्ते ज़मीन से नहीं, दिल से जुड़े होते हैं और राखी का रिश्ता तो दिलों में बसता है। कई बार भाई अपनी बहन से दूर रहकर भी हर छोटी-बड़ी चीज़ का ख्याल रखता है — कभी ऑनलाइन गिफ्ट भेजकर, कभी अचानक सरप्राइज़ देकर या कभी चुपचाप उसके अकाउंट में पैसे डालकर।

और बहन? वह भी हर बार राखी के दिन अपने भाई को याद करती है, चाहे वह साथ हो या नहीं। वह अपने मन में वही दुआ दोहराती है जो बचपन से करती आई है — मेरे भाई को लंबी उम्र मिले, उसका जीवन खुशियों से भरा हो।

बदलते समय में बदलते रूप पर स्नेह वही पुराना- समय बदला है, पर रक्षाबंधन का महत्व कम नहीं हुआ। अब बहनें भी भाइयों की रक्षा करती हैं— आर्थिक रूप से, भावनात्मक रूप से और जीवन के हर मोड़ पर। आजकल कई बहनें अपने भाइयों को पढ़ाती हैं, उन्हें सहारा देती हैं और ज़रूरत पड़े तो उनके लिए दुनिया से लड़ भी जाती हैं। इसलिए अब रक्षाबंधन का मतलब सिर्फभाई की ओर से रक्षा नहीं बल्कि आपसी सुरक्षा, सहयोग और स्नेह का त्योहार बन गया है। यह रिश्ता अब बराबरी का है — जिसमें भाई-बहन दोनों एक-दूसरे के दोस्त, मार्गदर्शक और सहारा हैं। आजकल बहनें भी अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधते हुए बस इतना नहीं कहतीं कि तुम मेरी रक्षा करो, बल्कि वह ये भी कहती हैं — मैं भी तुम्हारे साथ खड़ी हूँ, हर हाल में।

एक डोरी जो जीवन भर साथ निभाती है- राखी एक ऐसी डोरी है जो वक्त, दूरी, उम्र और हालात — किसी भी चीज़ से नहीं टूटती। यह एक ऐसा रिश्ता है जो बिना शर्त के बना रहता है। भाई चाहे कितना ही गुस्सैल हो, लापरवाह हो या मज़ाक उड़ाने वाला — बहन के लिए वह हमेशा वही प्यारा भाई होता है, जिसकी कलाई पर राखी बांधना सबसे प्यारा एहसास होता है। और भाई? चाहे दुनिया के कितने भी झगड़े हो लेकिन राखी के दिन उसकी आंखों में नमी और दिल में नरमी ज़रूर होती है। वह चाहे जताए या नहीं पर हर भाई अपनी बहन को देखकर यही सोचता है— ये मेरी ज़िम्मेदारी है और मेरी ताकत भी। इसलिए इस रक्षाबंधन पर अगर आपका भाई दूर है तो उसे एक कॉल ज़रूर करें। अगर आपकी बहन व्यस्त है तो उसे एक सन्देश अवश्य भेजें और अगर आप दोनों साथ हैं तो एक साथ बैठकर उन बचपन की बातों को फिर से जिएं।

एसआईआर पर इतना बबेला क्यों?

अजय दीक्षित

कांग्रेस ने मतदाता सूचियों के लिए एस आई आर (विशेष सघन पुनरीक्षण) पर आपत्ति जताई है और बिहार में राजद ने एन विधानसभा चुनावों से पहले चुनाव आयोग ने जो अभियान चलाया है उस पर तेजस्वी यादव ने गहन आपत्ति की है। उल्लेखनीय है कि चुनाव आयोग ने बिहार में 65 लाख मतदाता फर्जी पाए हैं जिनके नाम विभिन्न विधानसभा सीटों से काट दिए गए हैं।एक विधानसभा सभा क्षेत्र से औसत 3200 वोट काटे गए हैं।इन में चुनाव आयोग ने कहा है कि स्ढ्ढक्र सभी राज्यों में होगा।

दरअसल भारत में जब से या आजादी के बाद से कभी इंटीग्रेटेड मतदाता सूची बनी ही नहीं थी न ही बन सकती थी क्योंकि न तो तब आधार कार्ड, वोटर आईडी,था । अंतिम जनगणना 2011 में हुई थी और यह मैनुअल थी ।चुनाव आयोग से जुड़े लोग मतदाता सूचियों को रिवाइज्ड करते रहते थे। लेकिन अब चुनाव आयोग के पास नए सॉफ्टवेयर हैं जो नाम डालते ही बता देते हैं कि ये नाम किन किन स्थानों पर दर्ज है। और उसे मतदाता की पसंद के साथ अन्य सभी स्थानों से अलग कर देता है।अब चुकी सरकार के सभी कार्यों का विरोध करना है और मुद्दे चाहिए तो पहले ही चोर चोर चिल्ला देते हैं। राहुल गांधी भी इसे बोट की चोरी बता रहे हैं। ऊपर से मल्लिकार्जुन खड़गे, असदुद्दीन ओवैसी, अखिलेश यादव, तेजस्वी यादव, रेवंत रेड्डी, संजय रावत हां में हां मिला देते हैं। ज्ञातव्य हो कि असम, पश्चिमी बंगाल,बिहार,केरल,में 2026 तक विधानसभा चुनाव होने हैं

भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली एनडीए बिहार और असम में सत्ता में है ।जबकि पश्चिमी बंगाल में तुड़मूल कांग्रेस,केरल में वामपंथी दल सरकार चला रहे हैं। जिसमें से इस बार बिहार में राजद, कांग्रेस महागठबंधन पूरा जोर लगा रहा है यद्यपि प्रशांत किशोर की जन स्वराज पार्टी भी बताते हैं कि कुछ गणित बिगाड़ने की स्थिति में है। इसलिए स्ढ्ढक्र का विरोध हो रहा है। असम, पश्चिमी बंगाल,में वास्तव में बांग्लादेशी घुसपैठिए बड़ी संख्या में हैं और इतने हैं कि चुनावों के परिणामों को प्रभावित कर देते हैं उनमें से नब्बे फीसदी मुस्लिम है जो भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ एकीकृत हो कर मतदान करते हैं।

भारतीय जनता पार्टी जब से 2014 से लोकसभा में बहुमत के साथ आई है तब से अब तक उसका अन्य पार्टियों या विपक्ष में बौखलाहट चरम सीमा पर है। केंद्रीय सरकार और विपक्ष में तालमेल तो छोड़ो लोकतांत्रिक व्यवस्था का रिश्ता भी जाता रहा है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी अब किसी भी कीमत पर बदलाव चाहते हैं चाहे वह अराजक कदम ही क्यों न उठाना पड़ें।यहां तक कि चुनाव का बहिष्कार भी हो सकता है जो भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए अप्रिय कदम होगा । ममता बनर्जी भी तूफान के पहले की शान्ति में हैं। जिसमें विपक्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तो कतई झेलने की स्थिति में नहीं है। क्योंकि कांग्रेस ऐसा मानती है कि जब तक नरेंद्र मोदी सरकार है तब तक विपक्ष का कोई चांस न तो दिल्ली में है न राज्यों में।अब विपक्ष की राज्यों कर्नाटक, पश्चिमी बंगाल,केरल, हिमाचल, तेलंगाना प्रदेश में ही सरकार है और इन राज्यों से क्रमश: 28,42,20,4,14,कुल 94 सांसद चुनकर आते हैं जिसमें भी केरल को छोड़कर सभी राज्यों भारतीय जनता पार्टी के सांसद अधिक है।

संसद संवाद की बजाय संघर्ष का अखाड़ा कब तक?

ललित गर्ग

बिहार में वोटर लिस्ट रिवीजन पर संसद में गतिरोध जारी है, जिससे कामकाज बाधित हो रहा है। आज संसद का दृश्य सार्थक संवाद की बजाय किसी अखाड़े से कम नहीं लगता। बहस के स्थान पर बैनर, तख्तियां और नारों की गूंज सुनाई देती है। संसद जहां नीति निर्माण होना चाहिए, वहां प्रतिदिन कार्यवाही स्थगित हो रही है। यह विडंबना है कि जनप्रतिनिधि जिन मुद्दों को लेकर चुने जाते हैं, उन्हीं मुद्दों पर चर्चा की बजाय वे मेजें थपथपाने, वेल में उतरने और माइक बंद कराने में लगे हैं। संसद का हंगामा केवल दृश्य नहीं, एक राजनीतिक पतन की ओर संकेत करता है। जब एक ओर सरकार संवाद से बच रही है और दूसरी ओर विपक्ष केवल दिखावटी विरोध में लिप्त हंगामें बरपा रहा है, इन त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण स्थितियों में देश की जनता के मुद्दे पीछे छूट रहे हैं। विपक्ष और सत्ता के बीच जारी इस टकराव में बहस के बजाय बहिष्कार और गतिरोध हावी हो चुका है। मानसून सत्र की शुरुआत उम्मीदों से भरी थी, नए विधेयकों, जनहित की बहसों और लोकतांत्रिक विमर्शों की। लेकिन यह सत्र भी पुराने ढर्रे पर चल पड़ा, विरोध, स्थगन, नारेबाजी और हंगामे की भेंट चढ़ता लोकतंत्र। विपक्ष बिहार में चल रहे वोटर लिस्ट रिवीजन पर चर्चा चाहता है। इसमें ईवीएम की पारदर्शिता, मतदाता सूची में गड़बड़ी और चुनाव आयोग की निष्पक्षता जैसे गंभीर मुद्दे शामिल हैं। इसके साथ ही मणिपुर की स्थिति, बेरोजगारी, महंगाई, पेगासस जासूसी, किसानों की समस्याएं और हाल ही में आई बाढ़ एवं आपदा राहत जैसे मुद्दे भी विपक्ष के एजेंडे में हैं। लेकिन विपक्ष इन और ऐसे जरूरी मुद्दों पर चर्चा का माहौल बनाने की बजाय सरकार को घेरने की मानसिकता से ग्रस्त है। संसद की प्रासंगिकता तभी है जब उसमें देश की सच्चाइयों की प्रतिध्वनि हो और विपक्ष इसमें सकारात्मक भूमिका निभाये। गतिरोध के कारण दर्जनों विधेयक लंबित हैं, डेटा प्रोटेक्शन बिल, महिला आरक्षण बिल, वन नेशन वन इलेक्शन पर चर्चा, कृषि कानूनों में संशोधन, आदि। ये सब विधेयक केवल कानून नहीं हैं, बल्कि करोड़ों भारतीयों के जीवन से जुड़े ज्वलंत प्रश्न हैं। लेकिन दुर्भाग्यवश, विपक्ष सार्थक बहस से भाग रहा है या बहस में अड़ंगा डाल रहा है। सत्ता पक्ष भी कोई बीच का रास्ता निकालता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है। दोनों की यह रस्साकशी देश के लोकतांत्रिक स्वास्थ्य को कमजोर कर रही है। कोई भी पक्ष झुकने को तैयार नहीं दिख रहा। लेकिन, इसका असर संसद के कामकाज पर पड़ रहा है। दोनों सदनों का कीमती वक्त हंगामे में जाया हो रहा है और यह कोई पहली बार नहीं हो रहा है। पिछले वर्षों में इस तरह की गतिविधियां आम हो गई हैं।

विपक्ष चाहता है कि सरकार एसआईआर पर चर्चा कराए। लेकिन, सरकार नियमों का हवाला देकर कह रही है कि चुनाव आयोग स्वायत्त संस्था है और मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है, इसलिए चर्चा नहीं हो सकती। जवाब में, राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने भी 2023 की एक रूलिंग निकाल कर उपसभापति को पत्र लिख दिया है। दोनों पक्ष नियमों के सवाल पर अड़े हैं, लेकिन यह नहीं भूलना चाहिए कि ये नियम सदन की कार्यवाही को सुचारू रूप से चलाने के लिए बनाए गए हैं, न कि कामकाज ठप्प कराने के लिए। मानसून सत्र शुरू होने के पहले ही अंदाजा था कि एसआईआर पर हंगामा होगा। इसके पीछे विपक्ष की अपनी आशंकाएं हैं। शुरुआत से ही यह प्रक्रिया विवादों में रही है। आधार और वोटर कार्ड को मान्य डॉक्युमेंट्स में शामिल न करने से लेकर बड़ी संख्या में लोगों को वोटर लिस्ट से बाहर निकालने तक, इसमें कई पेच फंसे हैं। चुनाव आयोग ने संशोधित वोटर लिस्ट का ड्राफ्ट जारी कर दिया है और इसमें 65 लाख नाम हटाए गए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इन लोगों की पूरी जानकारी मांगी है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने पिछले दिनों कहा था कि अगर विपक्षी दलों का हंगामा जारी रहता है, तो देशहित में सरकार के सामने विधेयक पारित कराने की मजबूरी होगी। लेकिन, लोकतंत्र के लिए यही बेहतर होगा कि दोनों पक्ष सदन का इस्तेमाल रचनात्मक बहस के लिए करें। आम नागरिक संसद से समाधान की उम्मीद करता है, न कि शोरशराबा। जब लाखों युवा रोजगार की बाट जोह रहे हैं, किसान कर्ज में डूब रहे हैं, और आमजन महंगाई से त्रस्त है, तब संसद में ठहाके नहीं, तकलीफों की चर्चा जरूरी है। यह सवाल अब बार-बार उठ रहा है कि क्या संसद केवल दिखावटी बन गई है? अगर सरकार विपक्ष को केवल बाधा मानकर चलती है और विपक्ष केवल विरोध के लिए विरोध करता है, तो लोकतंत्र की आत्मा मरती है। जैसाकि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा था, संसद को ठप्प करना आसान है, लेकिन संसद को चलाकर देश की उम्मीदों को साधना ही असली लोकतंत्र है। चुनाव आयोग एसआईआर की जरूरत को बता चुका है और शीर्ष अदालत ने भी उसे माना है। यह जरूरी भी है, क्योंकि भ्रष्ट वोटरों से चुनी जाने वाली सरकारें भी भ्रष्ट ही होती है। इसलिये चुनाव की इस विसंगति की सफाई होना जरूरी है, इस पर चर्चा की मांग को लेकर सत्ता पक्ष-विपक्ष के बीच गतिरोध बना हुआ है तो बातचीत से इसका हल निकालना होगा ताकि संसद का कामकाज सुचारुरूप से चल सके। लोकतंत्र में सदन चलाने की जिम्मेदारी सरकार की होती है। लेकिन इसमें विपक्ष का सहयोग भी अपेक्षित होता है, दोनों को अपना यह दायित्व समझना चाहिए। संसद का हर सत्र, हर मिनट करदाताओं की गाढ़ी कमाई से चलता है। हर व्यवधान लाखों रुपये की बर्बादी है। यह नैतिक रूप से भी चिंताजनक है कि जनप्रतिनिधि बहस से अधिक हंगामे में समय गंवा रहे हैं। समाधान यही है कि सत्ता पक्ष विपक्ष की बात सुने, संवाद को प्राथमिकता दे। विपक्ष भी रचनात्मक विरोध करे, अनावश्यक बहिष्कार से बचे। लोकतंत्र बहस से ही मजबूत होता है, बहिष्कार से नहीं। वोटर लिस्ट रिवीजन पर चर्चा होनी चाहिए। जरूरी विधेयकों पर बहस होनी चाहिए। संसद को संकल्प का मंच बनना चाहिए, संग्राम का नहीं। जब तक संसद जनहित के सवालों पर गूंजेगी नहीं, तब तक लोकतंत्र अपंग ही रहेगा। जैसा कि डॉ. राधाकृष्णन ने कहा था- संसद केवल कानून बनाने का स्थान नहीं, यह राष्ट्र के विवेक की आवाज है।' लेकिन जब यह विवेक ही हंगामे में दब जाए, तो संविधान की आत्मा कराह उठती है। आज जरूरत है कि संसद को नई दिशा, नया दृष्टिकोण और नई मर्यादा मिले। संसद की गरिमा केवल आसनों से नहीं, आचरण से बनती है। संसद में वही नेता दिशा दे सकते हैं, जो अपने निजी या दलगत हित से ऊपर उठकर राष्ट्रहित की सोच रखते हैं। जब तक संसद के सदस्य यह नहीं समझेंगे कि वे जनता के प्रतिनिधि हैं, न कि अपने दल के प्रचारक, तब तक दिशा भटकती रहेगी। विपक्ष लोकतंत्र की आंख है। लेकिन जब यह आंख केवल अंधविरोध में अंधी हो जाए, तो लोकतंत्र की दृष्टि धुंधली हो जाती है। विपक्ष को सद्बुद्धि दे सकता है, जनता का दबाव। जब जनता यह स्पष्ट रूप से जताए कि उसे रचनात्मक, नीति आधारित विपक्ष चाहिए न कि नारेबाज नेता, तब विपक्ष को भी सुधरना पड़ेगा। विपक्ष को आत्मचिंतन करना चाहिए कि क्या वह जनता की लड़ाई लड़ रहा है या केवल सत्तालोलुप राजनीति कर रहा है? मीडिया को चाहिए कि वह हंगामे को महिमामंडित करने के बजाय, नीति और तर्क आधारित बहस को आगे बढ़ाए। संसद में विवाद होना लोकतंत्र की शक्ति है, लेकिन वही विवाद अगर दिशा विहीन हो जाए, तो वह कमजोरी बन जाता है। आज जरूरत है कि संसद की गरिमा को पुनर्स्थापित किया जाए, विपक्ष अपनी भूमिका को गंभीरता से निभाए और सरकार भी अहंकार छोड़कर संवाद को अवसर दे। संसद यदि सचमुच लोक का मंदिर है, तो वहाँ केवल सत्ता की पूजा नहीं, लोकमंगल की बात होनी चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

द्वितीय वाहिनी सीआरपीएफने सुकमा के मुर्कराजकोंडा में सिविक एक्शन कार्यक्रम का किया सफल आयोजन

दंतेवाड़ा सुकमा: द्वितीय वाहिनी, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) द्वारा आज, 8 अगस्त 2025 को मुर्कराजकोंडा, सुकमा में सिविक एक्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम पुलिस महानिरीक्षक, छत्तीसगढ़ सेक्टर और पुलिस उपमहानिरीक्षक, सुकमा रेंज के दिशा-निर्देशन में कमांडेंट श्री कमलेश कुमार के कुशल नेतृत्व में सफ्लतापूर्वक संपन्न हुआ।

कार्यक्रम के तहत स्थानीय ग्रामीणों के मनोरंजन और जागरूकता के लिए रेडियो, वाटर डिस्पेंसर, स्कूल बैग और अन्य उपयोगी सामग्रियों का वितरण किया गया। साथ ही, एक चिकित्सा शिविर का भी आयोजन किया गया, जिसे ग्रामीणों ने खूब सराहा। इस पहल ने सुरक्षा बलों और स्थानीय समुदाय के बीच विश्वास और सहयोग को और मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कार्यक्रम में मुरियापारा, पोकरीपारा, पाटादुलेर, पटेलपारा और कहरदुलेर गांवों के कुल 105 ग्रामीणों ने भाग लिया। सभी प्रतिभागियों के लिए भोजन की व्यवस्था भी की गई थी। ग्रामीणों ने इस प्रयास के लिए अपनी संतुष्टि और आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी इस तरह के आयोजनों को जारी रखने का अनुरोध किया।

कमांडेंट कमलेश कुमार ने इस सफ्ल आयोजन के लिए सभी का आभार व्यक्त किया और सामुदायिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए ऐसे प्रयासों को निरंतर जारी रखने की प्रतिबद्धता जताई।

सैमसंग सॉल्व फॉर टुमॉरो में भाग लेने का अंतिम मौका — आपका आइडिया बन सकता है अगला बड़ा समाधान

गुरुग्राम: दिल्ली की गलियों से लेकर कोल्हापुर की कक्षाओं तक, हजारों छात्रों ने एक साहसी विश्वास के साथ कदम बढ़ाया है — मैं कल के लिए समाधान खोज सकता हूं। अब, जैसे ही सैमसंग सॉल्व फॉर टुमॉरो रोडशो अपने अंतिम चरण में पहुंच रहा है, भारत के युवा चेंजमेकर्स के लिए अपने आइडियाज़ को हकीकत में बदलने की उलटी गिनती शुरू हो चुकी है। 30 जून 2025 इस राष्ट्रीय नवाचार प्रतियोगितासैमसंग सॉल्व फॉर टुमॉरो में आवेदन करने का आखिरी दिन है। यह चैलेंज 14 से 22 वर्ष की उम्र के युवाओं के लिए है, जिसने पूरे देश में एक नई सोच और बदलाव की लहर पैदा की है। 29 अप्रैल 2025 को शुरू हुए इस कार्यक्रम के तहत छात्रों को मिलते हैं — डिज़ाइन थिंकिंग टूल्स, सैमसंग और आईआईटीदिल्लीके विशेषज्ञों से मेंटरशिप, निवेशकों से संपर्क के अवसर, प्रोटोटाइप बनाने की सहायता और 1 करोड़ रुपये जीतने का मौका। लेकिन इस कार्यक्रम को खास बनाता है इसकाउद्देश्य, सिर्फ पुरस्कार नहीं। पिछले कुछ हफ्तों में, देशभर में हुए ओपन हाउस और रोडशो ने दूरदर्शी सोच रखने वाले छात्रों को एक मजबूत मंच दिया है। दिल्ली-एनसीआर में छात्रों ने मेंटल हेल्थ ऐप्स और प्रदूषण के लिए एआई आधारित समाधान पर काम किया। गुजरात और महाराष्ट्र में, सस्टेनेबल पैकेजिंग, सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने और समावेशी शिक्षा जैसे विचारों को सराहना मिली। हर शहर में एक ही बात गूंजती रही —युवा भारत असली समस्याओं के लिए असली समाधान तैयार करने को तैयार है। अब बारी आपकी है।

डिवाइन सॉलिटेयर ने 'द सॉलिटेयर फेस्टिवल ऑफइंडिया' के साथ ज़िंदगी के जश्न में जोड़ी और भी अधिक चमक

रायपुर। डिवाइन सॉलिटेयर भारत के प्रमुख ज्वेलरी ब्रांड्स में से एक, ला रहा है उसका सबसे प्रतीक्षित सॉलिटेयर उत्सव — 'द सॉलिटेयर फेस्टिवल ऑफइंडिया' (ज्ञस्स्न्ढ्ढ) — का चौथा संस्करण। यह फेस्टिवल 1 से 31 अगस्त 2025 तक ब्रांड के पार्टनर रिटेल स्टोर्स पर 100 से अधिक शहरों में आयोजित किया जा रहा है । यह फेस्टिवल डायमंड खरीदारी के अनुभव को रोमांच, चमक और जश्न से भर देगा। 'द सॉलिटेयर फेस्टिवल ऑफइंडिया' के माध्यम से डिवाइन सॉलिटेयर ज़िंदगी के सबसे खास और दिव्य पलों को और ऊँचाई देता है — जैसे प्रेम का इज़हार, कोई उपलब्धि, या एक यादगार लम्हा — और हर सॉलिटेयर खरीदारी पर ग्राहक को एक सुखद सरप्राइज़ के रूप में सुनिश्चित उपहार भी देता है।

ये उपहार स्पिन द व्हील, पिक 1 ऑफ 3 सरप्राइज़, या अगली खरीदारी पर डिवाइन वाउचर के रूप में हो सकते हैं। यह उत्साह यहीं नहीं रुकता! - हर हफ्ते के मेगा ड्रॉ में ग्राहक जीत सकते हैं आईफ़ोन, वॉशिंग मशीन, लैपटॉप, पीएस-5 और एक कार — ये ड्रॉ 11, 18 और 25 अगस्त को होंगे।

नशे के विरूद्व बालोद पुलिस की बड़ी कार्यवाही, गांजा परिवहन करते आरोपी को नाकाबंदी कर पकड़ें

आरोपी के कब्जे से कुल वजन 01 किलो 962 ग्राम गांजा जप्त।

बालोद (समय दर्शन)। पुलिस महानिरीक्षक दुर्ग रेंज दुर्ग रामगोपाल गर्ग के निर्देशन पर पुलिस अधीक्षक बालोद योगेश पटेल के मार्गदर्शन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बालोद मोनिका ठाकुर के पर्यवेक्षण में पुलिस अनुविभागीय अधिकारी बालोद देवांश सिंह राठौर एव थाना प्रभारी बालोद निरीक्षक शिशुपाल सिन्हा के नेतृत्व में नशे के विरुद्ध अभियान के तहत आरोपी से कुल 01 किलो 962 ग्राम गांजा को किया गया जप्त है।

मामले की विवरण इस प्रकार है कि 7 अगस्त को मुखबिर द्वारा मोबाईल के माध्यम से सूचना मिली कि एक काले रंग के हीरो एचएफ 100 मोटर सायकल क्रमांक सीजी 24 टी 7783 में अवैध रूप से अधिक मात्रा में अवैध मादक पदार्थ गांजा रखकर धमतरी से बालोद की ओर आ रहा है। सूचना पर थाना स्टाफ एवं गवाहों के विवेचना कीट के ग्राम जमरूवा बाजार चौक मेनरोड की ओर नाकाबंदी करने रवाना हुआ। ग्राम जमरूवा बाजार चौक मेनरोड के पास धमतरी की ओर से मोटर सायकल क्रमांक सीजी 24 टी 7783 के चालक को रोककर पुछताछ किया, जो अपना नाम तनवीर खान पिता स्व. सुहेल अशरक उम्र 18 साल 07 माह निवासी देवारभाट थाना व जिला बालोद हाल किराये का मकान धमतरी जिला धमतरी (छ.ग.) का रहने वाला बताया आरोपी को मुखबिर सूचना से अवगत् कराकर पुछने पर गोल मोल जवाब दे रहा था कड़ाई से पुछताछ करने पर अपने मोटर सायकल के डिग्गी में अवैध मादक पदार्थ गांजा बिक्री करने हेतु परिवहन करना स्वीकार किया। एनडीपीएस एक्ट के तहत् विधिवत् कार्यवाही करते हुए गवाहों के समक्ष आरोपी के मोटर सायकल के डिग्गी नुमा बैग में रखे, एक सफेद प्लास्टिक बोरी के अंदर, दो नग, खाकी रंग के टेप से लिपटा हुआ अवैध मादक पदार्थ गांजा कुल वजनी 1.026 किलो ग्राम, कीमती करीबन 10,000 रूपये, दूसरा खाकी रंग के टेप से लिपटा हुआ अवैध मादक पदार्थ गांजा कुल वजनी 936 ग्राम कीमती 9360 रू व आरोपी से घटना में प्रयुक्त मोटर सायकल क्रमांक सीजी 24 टी 7783, नगदी रकम 70 रू एक नग लाईटर कीमती 10 रू, कुल जुमला कीमती 34440 रू को विधिवत् मुताबिक जप्ती के जप्त किया गया। आरोपी तनवीर खान का कृत्य एनडीपीएस एक्ट की धारा 20 (ख) अंतर्गत दण्डनीय अपराध होना पाये जाने से दिनांक 08.08.2025 के 00.15 बजे विधिवत् गिरफ्तार किया गया है सम्पूर्ण कार्यवाही मौके पर कर थाना आने उपरांत अपराध क्रमांक 321/2025 धारा 20 ख एनडीपीएस एक्ट पंजीबध्द किया गया। आरोपी को न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

उक्त अवैध मादक पदार्थ गांजा की रेड कार्यवाही में, थाना प्रभारी बालोद निरीक्षक शिशुपाल सिन्हा, प्र.आर. 1603 दुर्योधन यादव, प्र.आर. 552 यज्ञदत्त ठाकुर, आरक्षक बनवाली,आरक्षक 36 मोहन कोकिला, 457 भुपेश साहू, आरक्षक 86 वेदप्रकाशभुआर्य, की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

पुराने प्रकरण ने फिर मचाया बवाल: अनियमित अनुकंपा नियुक्ति मामले में निगम कर्मचारी भूपेन्द्र गोईर निलंबित

दुर्ग। नगर पालिक निगम, दुर्ग में वर्षों पुराने एक संवेदनशील प्रकरण ने एक बार फिर से हलचल मचा दी है। छत्तीसगढ़ लोक आयोग द्वारा उठाए गए विविध जांच प्रकरण क्रमांक 24/2020 के अंतर्गत निगम के सहायक ग्रेड-03 पदस्थ भूपेन्द्र गोईर को अनियमित अनुकंपा नियुक्ति/पदोन्नति के मामले में दोषी पाए जाने पर तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

यह कार्यवाही उप संचालक, संचालनालय नगरीय प्रशासन एवं विकास, नवा रायपुर द्वारा दिनांक 23 अगस्त 2023 को जारी निर्देशों के तहत की गई, जिसमें संयुक्त संचालक, क्षेत्रीय कार्यालय दुर्ग के जांच प्रतिवेदन के आधार पर स्पष्ट रूप से संबंधित अधिकारी/कर्मचारी के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए थे।

उक्त निर्देशों के परिपालन में भूपेन्द्र गोईर को कारण बताओ नोटिस दिनांक 31 जुलाई 2025 को जारी किया गया था, जिसके जवाब में 6 अगस्त 2025 को प्रस्तुत प्रतिवेदन को असंतोषजनक और असमाधानकारक मानते हुए, छ.ग. सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के नियम 9(1) के अंतर्गत उन्हें निलंबित कर विभागीय जांच प्रारंभ कर दी गई है।

निलंबन अवधि में गोईर को मूलभूत नियम 53 (1)(2)(3) के अंतर्गत जीवन निर्वाह भत्ता प्रदान किया जाएगा तथा उनका मुख्यालय विद्युत विभाग निर्धारित किया गया है। इस दौरान वे बिना पूर्व अनुमति मुख्यालय नहीं छोड़ सकेंगे।

नगर निगम आयुक्त श्रीमती सुमीत अग्रवाल द्वारा जारी इस आदेश के बाद निगम महकमे में एक बार फिर अनुशासन और पारदर्शिता को लेकर चर्चा तेज हो गई है। सूत्रों की मानें तो इस कार्रवाई से अन्य कर्मचारियों को भी कड़ा संदेश गया है कि पुराने प्रकरणों की फाइलें भी अब धूल खाकर बंद नहीं रहेंगी।

पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने तिरंगा यात्रा कार्यशाला में जिम्मेदारियां सौंपी

कवर्धा (समय दर्शन)। भाजपा कार्यालय कवर्धा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर हर घर तिरंगा अभियान के तहत कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में पंडरिया विधायक एवं तिरंगा यात्रा की जिला संयोजक भावना बोहरा ने राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी.नड्डा द्वारा अभियान को सफ्ल बनाने हेतु जारी की गई महत्वपूर्ण जानकारियों को जिला व मंडल के पदाधिकारियों, बूथ व शक्ति केंद्र के प्रभारी-सहप्रभरियों के साथ साझा की और सभी को जिम्मेदारियां सौंपी।

भावना बोहरा ने बताया कि स्वतंत्रता दिवस पर प्रत्येक वर्ष पार्टी के कार्यकर्ता आम जनमानस के साथ तिरंगा यात्रा एवं अन्य कार्यक्रमों के माध्यम से देश भक्ति के कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ आयोजित करते हुए देश की एकता एवं अखंडता के प्रति संकल्प लेते हैं। अभियान के तहत 10 से 14 अगस्त तक प्रत्येक मंडल में तिरंगा यात्रा किया जाएगा एवं 13 अगस्त तक सभी घरों, प्रतिष्ठानों पर तिरंगा फ्हराना पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा सुनिश्चित किया जाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी जी दृढ़ इच्छा शक्ति एवं निर्णायक नेतृत्व, सेना का शौर्य एवं पराक्रम तथा देशवासियों की एकजुटता के संकल्प से आपरेशन सिन्दूर पूर्णतः सफ्ल रहा। यह मोदी के नेतृत्व में नया, समृद्धशाली, शक्तिशाली एवं आत्मनिर्भर भारत है, सभी को इस पर गर्व है। पूरे देश भर में हर्षोल्लास के साथ हाथों में तिरंगा लेकर के देश भक्ति के कार्यक्रम आपरेशन सिन्दूर की सफ्लता के उपरांत मनाया गया। इस वर्ष भी उसी उत्साह के साथ हमारे सेना के जवानों के शौर्य एवं राष्ट्रीय जनजागरण के उद्देश्य से हर घर तिरंगा अभियान मनाया जाएगा जिसके संबंध में आज कार्यशाला में समस्त पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया जहां विस्तृत चर्चा कर अभियान को सफ्ल एवं भव्य बनाने के लिए रूपरेखा तैयार की गई।

भावना बोहरा ने कहा कि संसद में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर की सफ्लता पर चर्चा करते हुए कहा यह भारत के विजयोत्सव और गौरवगान का सत्र है कि यह विजयोत्सव, आतंक हेडक्वार्टर को मिट्टी में मिलाने का है, यह विजयोत्सव, सिंदूर की सौगंध पूरा करने का है। यह विजयोत्सव, भारत की सेना के शौर्य और सामर्थ्य का है। संसद के इस सत्र में पहलगाम घटना के उपरांत आपरेशन सिन्दूर की सफ्लता पर प्रधानमंत्री तथा अन्य वरिष्ठ नेताओं द्वारा दिए गए भाषण अत्यधिक जानकारी युक्त एवं प्रेरक है। कार्यकर्ता इसे पढ़े एवं व्यापकता के साथ प्रचार-प्रसार करते हुए इसकी चर्चा करें।

जिला भाजपा अध्यक्ष राजेन्द्र चंद्रवंशी ने बताया कि हम सबको स्मरण है कि प्रधानमंत्री मोदी ने मन की बात में कहा कि हर घर तिरंगा अभियान के लिए सबका जोश हाई रहता है। गरीब, अमीर, छोटा, बड़ा हर घर में सभी लोग तिरंगा फ्हराकर गर्व का अनुभव करता है। जब कालोनी या सोसायटी के एक-एक घर पर तिरंगा लहराता है तो देखते-देखते दूसरे घरों पर तिरंगा दिखने लगता है। यानी हर घर तिरंगा अभियान तिरंगे की शान में एक यूनिक फेस्टिवल बन चुका है। तिरंगे को लेकर यह उल्लास, यह उमंग हमें एक दूसरे से जोड़ती है। इसी उद्देश्य व संकल्प को पूरा करते हुए आज कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें कबीरधाम जिला के सभी वरिष्ठजन, जिला एवं मंडल के पदाधिकारी, कार्यकर्ता, मोर्चा व प्रकोष्ठ के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता, बूथ व शक्ति केंद्र के प्रभारी-सहप्रभरियों के साथ व्यापक चर्चा की गई और सभी को जिम्मेदारियां सौंपी गई।

डीएवी पब्लिक स्कूल किरंदुल में कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों ने अंग्रेजी रोल प्ले में दिखाया उत्कृष्ट प्रदर्शन

किरंदुल: डीएवी पब्लिक स्कूल किरंदुल में आज कक्षा 12वीं के विज्ञान, वाणिज्य और कला संकाय के विद्यार्थियों ने अंग्रेजी विषय में एक शानदार रोल प्ले गतिविधि का आयोजन किया। प्राचार्य श्री एस.के. श्रीवास्तव की उपस्थिति और अंग्रेजी शिक्षिका धरती वर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने पाठ्यक्रम की कहानियों और नाटकों के पात्रों को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया।

इस गतिविधि का उद्देश्य विद्यार्थियों की संचार क्षमता, आत्मविश्वास, आत्म-अनुशासन और अभिव्यक्ति कौशल को निखारना था, ताकि उनका ज्ञान केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित न रहे। छात्रों ने 'द एनिमी', 'द रेटट्रैप' और 'द टाइगर किंग' जैसे पाठों के पात्रों को मंच पर उत्कृष्ट ढंग से प्रस्तुत किया। अपने उच्चारण और मंचीय प्रदर्शन के माध्यम से सभी छात्रों ने प्रभावशाली प्रस्तुति दी। विशेष रूप से विशिष्ट सक्सेना, अंजन कुंजम, लीशांत देवांगन, आलेख अग्रवाल, आदर्श सोनी, शिवम गुप्ता, साई कृष्णा, अमन शाह, सुमन निषाद, डिंपी निषाद और हरित ने अपने प्रदर्शन से सभी का ध्यान आकर्षित किया।

अंत में, प्राचार्य एस.के. श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना की और उन्हें ऐसी रचनात्मक गतिविधियों में निरंतर भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया।

दुर्ग की ब्रह्मकुमारी बहनों ने विभिन्न स्थानों पर मनाया रक्षा बंधन का कार्यक्रम

दुर्ग (समय दर्शन)। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय दुर्ग के द्वारा रक्षाबंधन के पावन पर्व पर विभिन्न स्थानों पर रक्षा बंधन का कार्यक्रम हुआ इस आयोजन में रीटा दीदी (संचालिक ब्रह्माकुमारीज दुर्ग),रूपाली दीदी के मार्गदर्शन में अनेक ब्रह्मकुमारी बहनों द्वारा राखी बांधी गई । जिसमें प्रमुख रूप से विज्ञान विकास केंद्र,केंद्रीय जेल दुर्ग, वृद्धाश्रम ,बाल संप्रेषण गृह ,एसटीएफ बघेरा,प्रथम बटालियन,जीआरपी स्टाफव रेलवे स्टेशन के अधिकारी कर्मचारी एवं कुली भाई,यातायात पुलिस दुर्ग, एनसीसी , एवं पुलिस को बटालियन परेड ग्राउंड में, अण्डा थाना, पुलगांव थाना, मोहन नगर थाना, सिटी कोतवाली दुर्ग, होमगार्ड के अधिकारी और जवान, अनेक शासकीय व अर्द्ध शासकीय संस्थाओं में सभी को परमात्मा रक्षा सूत्र बांधा गया ।

रक्षाबंधन का संदेश देते हुए ब्रह्मकुमारी बहनों ने बताया वैसे तो भारत को त्योहारों व पर्वों का देश कहा जाता है जब भी कोई पर्व या त्यौहार आता है तो सभी के मन में खुशी,उमंग,उत्साह व रिश्तो में एक नई मिठास घुल सी जाती है रक्षाबंधन का यह पावन पर्व वैसे तो भाई-बहन के स्नेह, सुरक्षा और सम्मान के पर्व के रूप में मनाया जाता है । बहनें, भाई को तिलक लगाती है राखी बांधती है व मुख मीठा करती है एवं भाई,बहन को खर्ची देते हैं व उनके रक्षा का संकल्प लेते हैं वास्तव में हर समय किसी की रक्षा संभव नहीं है वास्तव में रक्षा बंधन यह क्या बंधन है जिससे हमारी सुरक्षा होती है निराकार परमपिता परमात्मा शिव हमें बताते हैं जब हम आत्माएं स्वयं को मर्यादाओं के बंधन में बांधते हैं तो हमारी सुरक्षा स्वतः होती है । निराकार परमपिता परमात्मा शिव इस कलयुग के अन्त व सतयुग के आदि अर्थात वर्तमान संगमयुग में सभी मनुष्य आत्माओं को यह शिक्षा दे रहे हैं कि सर्व मनुष्य आत्माओं को जो शरीर मिली हुई है जिनके कर्म इंद्रियों के द्वारा हम कर्म करते हैं जब हम स्वयं को आत्म निश्चय कर इस देह रूपी इंद्रियों को संचालित करते हैं तो हमारे हर कर्म स्वतः मर्यादा युक्त होते हैं जब हर मनुष्य आत्माओं के कर्म मर्यादा युक्त होते हैं तो यह सृष्टि सतयुग अथवा स्वर्ग कहलाती है जिसमें सभी मनुष्य आत्माएं स्वयं को सुरक्षित महसूस करती है बहनों ने बताया जब मस्तक में तिलक देते हैं तो तिलक का आध्यात्मिक रहस्य यह है कि सदैव यह याद रखना कि हम चैतन्य आत्माएं है न की देह,तिलक के बाद चावल का दाना तिलक के ऊपर लगाया जाता है जिसे अक्षत कहा जाता है अक्षत अर्थात जिसका कभी क्षय या विनाश ना हो तो आत्मा इस देह में अविनाशी सत्ता है मुख मीठा करने का अर्थ,मुख से सदैव ऐसा बोल बोलें जिससे सामने वाले को हिम्मत,उमंग,उल्लास व खुशी की अनुभूति हो भाई,बहन को खर्ची देते हैं इसका अर्थ परमात्मा बताते हैं इस रक्षाबंधन में यह संकल्प करना कि जो भी अवगुण या बुराइयां है जो स्वयं को दुःख देते हैं उसे बुराई व अवगुण को परमात्म अर्पण करना अर्थात खर्ची के रूप में देना है जब हम यह दृढ़ संकल्प करते हैं तो परमात्मा की शक्ति हमें प्राप्त होती है ।

इस अवसर पर ब्रह्माकुमारी चैतन्य प्रभा दीदी,कामिनी दीदी, पूर्णिमा दीदी, मालती दीदी, रेणु दीदी व अनेक ब्रह्माकुमारीज के भाई-बहनों ने अपनी सहभागिता दिया ।

संक्षिप्त समाचार

बंसुला स्कूल में मनाया गया रक्षाबंधन उत्सव

बसना (समय दर्शन)। शासकीय प्राथमिक शाला बंसुला में भाई बहन का पवित्र त्यौहार रक्षाबंधन बड़े धूम धाम से मनाया गया। इस अवसर पर सर्वप्रथम बहनों ने भाइयों को तिलक लगाया फिर उसके पश्चात कलाई में राखी बांधी और मिष्ठान्न खिलाया। भाइयों ने बहनों की रक्षा करने की कसम खाई। तत्पश्चात् तिरंगा यात्रा निकाली गई जो ग्राम के मुख्य मार्ग से होते हुए विद्यालय में समापन हुआ। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रधान पाठक प्रवीर कुमार बेहेरा, दिनेश डडसेना, अनिता साहू, सीता साहू, पुष्पांजलि बगरती, राजेश साव का विशेष योगदान रहा।

भाजपा पाटन मण्डल 10 अगस्त से 14 अगस्त तक निकालेगी हर घर तिरंगा यात्रा अभियान

पाटन – भाजपा राष्ट्रीय नेतृत्व एवं प्रदेश नेतृत्व के आदेशानुसार व जिला संगठन नेतृत्व के निर्देशानुसार पाटन मण्डल द्वारा मोर तिरंगा, मोर अभियान के तहत हर घर तिरंगा झण्डा फहराने के लिए 10 अगस्त से 14 अगस्त तक यात्रा पूरे मण्डल में निकालेंगे इसे लेकर रेस्ट हाउस पाटन में बैठक सम्पन्न हुआ। बैठक में प्रभारी प्रीतपाल बेलचंदन,सहप्रभारी राहुल पंडित,मण्डल अध्यक्ष रानी बंछोर,नगर पंचायत अध्यक्ष योगेश निक्की भाले,उपाध्यक्ष निशा सोनी,मण्डल महामंत्री कृष्णा साहू,मेहत्तर वर्मा,दामोदर चक्रधारी,हरिशंकर साहू,केशव बंछोर,केवल देवांगन,प्रकाश बिजौरा,नगेन्द्र कश्यप,जितेंद्र निर्मलकर,किरण बंछोर,रोशन वर्मा,मिलन देवांगन,गोवर्धन बिजौरा,खेमिन साहू,चंद्रप्रकाश देवांगन,विजयकांत बंछोर,आदित्य सावर्णी,विनोद बाग,राजेन्द्र वर्मा,भोजराम यादव,अतीस सपहा,कुणाल वर्मा,परस साहू,राजकुमार देवांगन,गीतेश्वरी सपहा,रमेश धुरंधर,कोमल साहू,ताराचंद वर्मा,हरप्रसाद आडिल,घनाराम ठाकुर,विद्यासागर निषाद,चितरंजन साहू,रवि ठाकुर सहित भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

बायोगैस संयंत्र के संबंध में विभागों से मंगाए गए अभिमत

दुर्ग/ राज्य शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा राज्य के नगरीय निकायों में जैव अपशिष्ट सह कृषि अपशिष्ट के प्रसंस्करण हेतु बायो सीएनजी संयंत्र स्थापित किए जाएंगे। इसी अनुक्रम में आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में भूमि आबंटन के संबंध में अधिकारियों के साथ राय शुमारी की गई। जिले के नगर पालिक निगम भिलाई जोन-2 वैशाली नगर क्षेत्रांतर्गत वार्ड-क्र. 22 कुरूद बस्ती अंतर्गत शासकीय भूमि में सीबीजी परियोजना अंतर्गत बायोगैस संयंत्र स्थापित किया जाएगा। इस संबंध में वन, राजस्व, कृषि, पर्यावरण एवं उद्योग विभाग के अधिकारियों से विभागीय अभिमत आमंत्रित की गई। कलेक्टर श्री सिंह ने आयुक्त नगर निगम भिलाई को नियमानुसार आवश्यक प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण करने साथ ही अधिकारियों को शीर्घ अभिमत प्रस्तुत करने निदेर्शित किया। बैठक में वन मंडलाधिकारी श्री दिपेश कपिल, एडीएम श्री वीरेन्द्र सिंह, नगर निगम भिलाई के आयुक्त श्री राजीव पाण्डेय, एसडीएम भिलाई-3 श्री महेश राजपूत सहित कृषि, पर्यावरण संरक्षण मंडल और उद्योग विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री समग्र ग्रामीण विकास योजना अंतर्गत 66.78 लाख रूपए स्वीकृत

दुर्ग/ मुख्यमंत्री समग्र ग्रामीण विकास योजनांतर्गत वर्ष 2025-26 में शासन द्वारा अनुमोदित निर्धारित लागत दर अनुसार विख पाटन अंतर्गत 21 अधोसंरचना निर्माण कार्यों के लिए 66.78 लाख रूपए की अनुशंसा प्राप्त हुई है। अनुविभागीय अधिकारी ग्रामीण यांत्रिकी सेवा उपसंभाग पाटन द्वारा प्रेषित तकनीकी स्वीकृति के आधार पर अनुशंसित कार्य को संपादित कराए जाने हेतु मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत पाटन को प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। कार्यो का संपादन कार्यकारी एजेंसी संबंधित ग्राम पंचायत होगी।

कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों का लिया जायजा

महासमुंद (समय दर्शन)। कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने मिनी स्टेडियम पहुँचकर 79 वें स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों का जायजा किया। इस दौरान उन्होंने मंच की व्यवस्था, बेरिकेटिंग और मैदान की स्थिति का विस्तार से अवलोकन करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर श्री लंगेह ने संबंधित अधिकारियों को स्वतंत्रता दिवस समारोह को गरिमामय तरीके से आयोजित करने समयबद्ध तरीके से सभी तैयारियां पूरी करने का निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने मंच की सजावट और आयोजन स्थल पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित करने के निर्देश दिए ताकि किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। साथ ही, उन्होंने बेरिकेटिंग को सुव्यवस्थित रखने और आगंतुकों के लिए समुचित व्यवस्थाओं जैसे बैठने, पेयजल, और प्रवेश-निकास की सुगमता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान अपर कलेक्टर रवि कुमार साहू, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व हरिशंकर पैकरा, पुलिस विभाग, पीडब्ल्यूडी, शिक्षा विभाग, महिला एवं बाल विकास, आदिवासी विकास विभाग एवं अन्य विभागों के जिला अधिकारी और आयोजन से जुड़े विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर ने स्वतंत्रता दिवस समारोह में स्कूली बच्चों द्वारा प्रस्तुत की जाने वाली सांस्कृतिक कार्यक्रम को देशभक्ति से ओत-प्रोत और स्थानीय संस्कृति को महत्व को प्राथमिकता देते हुए आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। स्वास्थ्य विभाग को पर्याप्त मात्रा में ओआरएस रखने तथा एक मेडिकल टीम तैनात करने के निर्देश दिए हैं। इस अवसर पर जिले के विभिन्न विभागों के उत्कृष्ट कर्मचारियों को पुरस्कृत भी किया जाएगा। जिसकी सूची 11 अगस्त भेजने के निर्देश दिए गए। मौसम को देखते हुए सभी पंडाल वाटर प्रूफ बनाने कहा गया है।

नगर पंचायत पिथौरा ने किया गोवंश की सुरक्षा और सड़क सुरक्षा के लिए नई मुहिम की शुरूआत

पिथौरा(समय दर्शन)। नगर पंचायत पिथौरा ने सराहनीय व अभिनव पहल करते हुए आवारा घूमंतु गोवंश की सुरक्षा के साथ-साथ आम नागरिकों की सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम उठाया है।

पशु चिकित्सा विभाग के सहयोग से नगर क्षेत्र में कुल 45 गोवंशों को रेडियम बेल्ट पहनाया गया और 90 गोवंशों को टैग किया गया है, जिससे उनकी पहचान और निगरानी आसान हो गई है।

यह अभियान कलेक्टर विनय कुमार लंगेह के निर्देश पर चलाई जा रही है, जिसकी सीएमओ बिरजू सोनबर द्वारा सतत मॉनिटरिंग की जा रही है। इस अभियान के तहत एक विशेष निगरानी दल भी गठित किया गया है। जिसका नेतृत्व नोडल अधिकारी रूपलाल सिन्हा, प्रभारी अधिकारी नितिन सिंह, सफाई दरोगा एवं चार कर्मचारी कर रहे हैं। यह दल मुख्य रूप से बस स्टैंड, गार्डन चौक, बार चौक, लहरौद पड़ाव और रामकुमार राजपूत मार्ग क्षेत्र में प्रभावी निगरानी कर रहा है।

रेडियम बेल्ट विशेष रूप से रात्रि समय में वाहनों को गोवंश की उपस्थिति का संकेत देती है, जिससे सड़क दुर्घटनाओं में गिरावट की संभावना है। साथ ही, टैगिंग के ज़रिए गोवंशों की निगरानी और मालिकों की पहचान सुनिश्चित की जा रही है।

नगर पंचायत ने यह भी फैसला लिया है कि यदि कोई भी गोपालक अपने पशुओं को आवारा अवस्था में सड़क पर छोड़ता है, और वह पशु पकड़ा जाता है, तो गोपालक पर एक हजार रुपए जुर्माना लगाया जाएगा। इस दंडात्मक प्रावधान से पशुपालकों में ज़िम्मेदारी की भावना विकसित होगी। जनता और गौवंश दोनों की सुरक्षा यह पहल केवल गोवंश की ही नहीं, बल्कि नागरिकों की भी सुरक्षा सुनिश्चित करती है। सड़क पर मवेशियों के अनियंत्रित विचरण से होने वाली दुर्घटनाओं पर रोक लगाने के लिए यह एक प्रभावी कदम है।

भोजली महोत्सव मे शामिल होने बैठककर बनायी गयी रूपरेखा

बसना(समय दर्शन)। प्रदेश स्तरीय भोजली महोत्सव मे भाग लेंगे महासमुन्द जिला अंतर्गत बसना, पिथौरा,सरायपाली, बागबाहरा, महासमुन्द से सैकड़ों युवक युवती ।

प्रतिवर्ष कि भांति इस वर्ष भी छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर बूढ़ातालाब के समीपस्थ इंडोर स्टेडीयम में परम श्रद्धेय गोंडवाना गुरूदादा एवं गुरुमाता के परमसानिध्य में राष्ट्रीय भोजली महोत्सव एवं विश्व आदिवासी दिवस का आयोजन समाज की दशा दिशा सुधारने तथा रूढ़ीवादी(गोंडीयन) प्रथा परंपरा को यथावत रखने हेतु कार्यक्रम 9अगस्त पर विशेष आयोजन होना हैं। जिसमें छत्तीसगढ़ ,मध्यप्रदेश ,उड़ीसा तथा अन्य प्रदेश के समाज के लोग शामिल होते हैं । इसी तारतम्य में महासमुंद जिले के बसना ,सरायपाली, पिथौरा,बागबाहरा, महासमुंद से सैकड़ों की संख्या मे आदिवासी गोंड समाज से मातृ व पितृ शक्ति तथा युवक युवतीयां शामिल होंगी ।

प्रदेश समिति के निर्देशानुसार पुलिस अधिक्षक कार्यालय महासमुन्द व थाना बसना में आने जाने हेतू सुरक्षा एवं सहयोग के लिए समिति के पदाधिकारियों द्वारा आवेदन दिया गया ।

इस अवसर पर गोंडी धर्म संस्कृति संरक्षण समिति जिलाध्यक्ष प्रेमसिंह पोर्ते,सचिव भारतिको सिदार,छत्तीसगढ़ गोंडवाना संघ संरक्षक गोकुल पांडेश्वर, जिलाध्यक्ष दीपक जगत ,गोधसस ब्लाक अध्यक्ष निमंकर जगत ,शिवलाल बाघ,सुरेन्द्र नाग आदि पदाधिकारीगण शामिल हुए।

शासकीय विभागों के कर्मचारी दफ्तर बंद कर 22 को करेंगे धरना प्रदर्शन - छ0ग0 कर्मचारी अधिकारी फेडरेसन

दुर्ग । विभिन्न शासकीय विभागों में कार्यरत कर्मचारी सामूहिक अवकाश लेकर दफ्तर बंद कर 22 अगस्त को धरना पप्रदर्शन करेंगे। मोदी की गारंटी पूरा नहीं होने से नाराज छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेसन से जूड़े विभिन्न कर्मचारी संगठन इसमें शामिल रहेंगे। विभिन्न संगठनों के प्रमुखों ने दिनांक 07 अगस्त को जिला पंचायत सभागार में बैठक लेकर आंदोलन को लेकर रणनीति बनाई। छत्तीसगढ़ अधिकारी कर्मचारी फेडरेसन की बैठक 15 जून को फेडरेसन के अध्यक्ष कमल वर्मा की अध्यक्षता में हुई थी जिसमे सभी धटक संगठनों के पदाधिकारियों ने ज्वलंत मुद्दों को लेकर मांगो को पूरा कराने का निर्णय सर्वसम्मति से लिया। इन मुद्दो पर 16 जूलाई तक निर्णय नहीं लिये जाने के फलस्वरूप प्रथम चरण में ब्लाक/जिला स्तर पर रैली ज्ञापन सौंपा गया था। अब 22 अगस्त के पूर्व इस संबंध में शासन द्वारा निर्णय नहीं लिये जाने पर 22 अगस्त दिन शुक्रवार को एक दिवसीय सामूहिक अवकाश लेकर सभी जिला एवं विकासखड तहसील मुख्यालय में धरना पप्रदर्शन किया जाएगा। प्रदर्शन के पदाधिकारियों ने कहा कि मोदी की गारंटी छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव 2023 में भाजपा के धोषणा पत्र अनुसार प्रदेष के कर्मचारियों के लिये प्रमुख वादों को लागू किया जावे फेडरेसन के जिला संयोजक विजय लहरे ने कहा कि इस पप्रदर्शन में वन कर्मचारी संध, तृतीय वर्ग कर्मचारी संध, लिपिक संध,शिक्षक फेडरेसन, सहायक पषु चिकित्सा अधिकारी संध, लधु वेतन कर्मचारी संध जीएसटी कर्मचारी संध सहित विभिन्न कर्मचारी संगठन से जूडे सारे कर्मचारी दफ्तर बंद कर आंदोलन पर रहेंगे। उक्त बैठक में जी0आर0चंद्रा प्रांतीय पर्यवेक्षक, रोहित तिवारी प्रांतीय पर्यवेक्षक,अजीत दुबे प्रांताध्यक्ष वन कर्मचारी संध, राजेश चटर्जी संभाग प्रभारी दुर्ग, हरी शर्मा, महासचिव अनुरूप साहू, पेंशनर संध प्रमुख आनंद मूर्ति झा, लधु वेतन कर्मचारी संध जिलाध्यक्ष मोतीराम खिलाडी, नगर निगम कर्मचारी संध प्रमुख संजय शर्मा, श्रवण ठाकुर, जीएसटी कर्मचारी सध प्रमुख प्रदीप चौहान(बाबा भाई), सचिव शिवदयाल धृतलहरे, धर्मेंद्र देशमुख, निर्मला रात्रे सहित सैकडो की संख्या मे कर्मचारी उपस्थित थे। उक्त जानकारी फेडरेसन के मीडिया प्रभारी भानु प्रताप यादव द्वारा लिखित मे दिया गया।

शास प्राथ शाला बरगांव में पालक शिक्षक मेगा बैठक

बसना (समय दर्शन)। शासकीय प्राथमिक शाला बरगांव में राज्य शासन के निर्देशानुसार आयोजित मेगा पालक शिक्षक बैठक का आयोजन बीते दिन शाला परिसर में आयोजित किया गया । जिसमें शालेय गतिविधियों से संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा कर जानकारी प्रदान की गयी ।

शाला का वातावरण ,बच्चा बोलेगा बेझिझक, नशामुक्ति अभियान पर शपथ, पॉक्सो एक्ट पर जानकारी, एवं न्योता भोज तथा छात्रवृत्ति योजना व प्रतियोगी परीक्षाओं पर अनेक प्रकार की रचनात्मक गतिविधि एवं उनके सुझाव आदि विषयों पर विस्तृत चर्चा किया गया। जिसमें शाला विकाश समिति के समस्त सदस्यों एवं अंगना म शिक्षा के माता गण तथा पंचायत स्तर से सरपंच गणेश साव,पूर्व सरपंच सुरेश प्रधान , संकुल समन्वयक सुरेश कुमार नंद, नोडल अधिकारी नारायण साव ,शाला विकास समिति के अध्यक्ष डिग्री लाल साहू, जीत यादव, सोहन प्रधान, भूपेन्द्र भोई, मनोहर भोई, अरुण साहु,प्यारी प्रधान, अंजोर नायक, सचीन भोई, दिनेश यादव, आनंद भोई, राधेश्याम यादव,श्रीमती आशा प्रधान, सबया भोई ,मीना भोई ,आभा भोई , पदमा भोई , सुषमा यादव , मंगलमोति यादव जी,सभी अभिभावक पालक गण उपस्थित थे।

कार्यक्रम का संचालन शाला के प्रधान पाठक महेश देवांगन एवं आभार प्रदर्शन सहायक शिक्षिका श्रीमती गायत्री सामल के द्वारा किया गया। बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए सभी पालकों ने समयानुसार सहभागिता प्रदान करने संकल्प लिया ।

विभाग की मेहरबानी से सुविधाओं के अभाव मे संचालित प्राईवेट स्कूल

महासमुन्द (समय दर्शन)। महासमुंद जिलाअंतर्गत विकासखंड सरायपाली के गोहेरापाली स्थित आनंद कुंज प्राइमरी(इंग्लिश मीडियम)स्कूल जो कि, एक निजी स्कूल है, जहाँ मूलभूत सुविधाओं का घोर अभाव है। विद्यालय परिसर में शौचालय की समुचित व्यवस्था नहीं है ।

जिससे छात्र-छात्राओं को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है । यह स्थिति अत्यंत असुविधाजनक और असुरक्षित मानी जा रही है।

इतना ही नहीं, गर्मी से बचाव हेतु पंखों की भी कोई व्यवस्था नहीं की गई है। जिससे छात्र-छात्राएं तेज गर्मी और उमस के बीच पढ़ाई करने को मजबूर हैं, ऐसे में बिना पंखे के पढ़ाई करना बच्चों के स्वास्थ्य के लिए भी हानिकारक साबित हो सकता है । यहाँ भवन की स्थिति भी संतोषजनक नहीं है।

बावजूद इसके विद्यालय का संचालन लगातार किया जा रहा है जो शिक्षा विभाग के नियमों और मानकों की खुली अवहेलना है।

शिक्षा विभाग की चुप्पी पर भी उठ रहे सवाल-स्विथानकय लोगों एवं मीडिया के साथियों ने विभाग से कई बार इस समस्या को लेकर अवगत कराया गया, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। यह लापरवाही बच्चों के अधिकारों का हनन है।

प्रशासन से मांग- संबंधित निजी स्कूल की जांच कर तत्काल कार्रवाई की जाए ताकि बच्चों को सुरक्षित और सुविधा सम्पन्न वातावरण में शिक्षा प्राप्त हो सके।

यदि शिक्षा व्यवस्था में इस तरह की अनदेखी जारी रही तो इसका सीधा असर बच्चों के भविष्य पर पड़ेगा। प्रशासन को चाहिए कि ऐसे स्कूलों के खिलाफ सख्त कदम उठाए और मानकों के अनुरूप संचालन सुनिश्चित करें ।

विभागीय मिली भगत की आ रही बू- गौरतलब है कि, शिक्षा विभाग मे संकुल समन्वयक या शिक्षक से छोटी सी चूक हो जाती है तो तुरंत उस शिक्षक पर गाज गिरी जाती है।

निलंबन के साथ अन्यत्र ब्लाक व जिला से दूर अटैच कर दिया जाता है? पर यहाँ बच्चों के अधिकारों के साथ खिलवाड़ कर बच्चों के मौलिक अधिकार का हनन किया जा रहा है?

सुविधाविहीन भवन व वातावरण मे बच्चों को तालीम भला कैसे मिल पाएगा ।

सरायपाली खण्ड शिक्षा अधिकारी को जानकारी के लिये फोन लगाया गया, पर विभागीय अधिकारी फोन उठाना उचित नहीं समझे।

खबर-खास

हत्या के मामले में फरार आरोपी गिरफ्तार

गरियाबंद। 4 अगस्त 2025 को प्रार्थी बिसेलाल साहू द्वारा थाना मे आकर मृतक चुम्मन लाल साहू की हत्या के संबंध में रिपोर्ट दर्ज कराया।इस रिपोर्ट पर से थाना पाण्डुका अपराध क्रमांक 59/2025 धारा 103(1), 331(8), 238(1), 62, 3(5) भा.न्या.सं के तहत् अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था।घटना दिनांक से फरार आरोपी केशु वर्मा उर्फ केशव वर्मा पिता कोमल राम वर्मा उम्र 22 वर्ष निवासी श्रीराम चौंक पटेल पारा कोपरा थाना पाण्डुका जिला गरियाबंद को पुलिस अभिरक्षा मे लेकर पुछताछ करने पर आरोपी के द्वारा प्रकरण में अपनी संलिप्तता बताते हुए जुर्म स्विकार किया। प्रकरण में विवेचना के दौरान संमक्ष आरोपी केशु वर्मा उर्फ केशव वर्मा गिरफ्तार कर न्यायालय के संमक्ष पेश किया गया।

गरियाबंद पुलिस अधीक्षक थाना मैनपुर क्षेत्रांतर्गत नक्सल प्रभावित ग्राम भालूडिग्गी पहुच कर ग्रामीणों की सुने समस्याएं

गरियाबंद। सिविक एक्शन कार्यक्रम के दौरान गरियाबंद पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा अपने टीम के साथ आज थाना मैनपुर क्षेत्रातंर्गत नक्सल प्रभावित ग्राम भालूडिग्गी के ग्रामीणों के बीच बैठ कर उनकी समस्याएं सुने।गांव के प्रमुखों, युवाओं एवं महिलाओं से बातचीत किये। बातचीत के दौरान वहां के लोगों के द्वारा मूलभूत सुविधा बिजली,पानी,स्कूल,भवन आदि के संबंध में समस्या पुलिस अधीक्षक के समक्ष रखे।पुलिस अधीक्षक के द्वारा संबंधित विभाग के प्रमुखों से बात कर शीघ्र मूलभूत सुविधा दिलाए जाने के संबंध में आश्वासन दिये।इस बीच पुलिस अधीक्षक एवं टीम के द्वारा उपस्थित ग्रामीणों को दैनिक उपयोग के समान वितरण किया गया।

क्रोमा में स्वतंत्रता दिवस के लिए शानदार डील्स: इलेक्ट्रॉनिक्स, उपकरणों और अन्य उत्पादों पर 50 प्रतिशत तक की छूट

रायपुर : टाटा परिवार के एक सदस्य, भारत की पहली और सबसे भरोसेमंद ओम्नी-चैनल इलेक्ट्रॉनिक्स रिटेलर कंपनी क्रोमा ने अपने बहुप्रतीक्षित स्वतंत्रता दिवस सेल की घोषणा की है। क्रोमा के साथ इस स्वतंत्रता दिवस को वाकई खास बनाने के लिए तैयार हो जाइए। इसमें इलेक्ट्रॉनिक्स की एक विस्तृत श्रृंखला पर धमाकेदार डील्स और अब तक की सबसे बड़ी छूट दी जा रही हैं। 17 अगस्त 2025 तक इस सेल का लाभ उठाया जा सकता है। क्रोमा के देश भर में फैले 560 से ज्यादा स्टोर्स में इस सेल में बंपर डील्स, बेहतरीन मूल्य, किफ़ायती दाम और बेजोड़ रेंज उपलब्ध हैं।

स्मार्टफोन से लेकर टीवी, रेफ्रिजरेटर, वॉशिंग मशीन और कई अन्य उत्पादों को इस सेल में शामिल किया गया है। बेहतरीन कीमतों पर नवीनतम तकनीक में अपग्रेड करने का बेहतरीन मौका क्रोमा में मिल रहा है। इन्फिनिटी रिटेल के प्रवक्ता ने कहा, इस स्वतंत्रता दिवस पर, क्रोमा ने अपनी अब तक के एक सबसे बड़ी सेल की शुरूआत की है, जिसमें कई श्रेणियों पर 50 प्रतिशत तक की छूट दी जा रही है। इस सेल में 12,500 रुपये तक का एक्सक्लूसिव बैंक कैशबैक, आकर्षक एक्सचेंज बेनिफिट, ज़ीरो-कॉस्ट ईएमआई विकल्प और छात्रों के लिए विशेष ऑफर क्रोमा लेकर आया है। क्रोमा ने उपभोक्ताओं के लिए अपनी तकनीक को अपग्रेड करना और भी आसान बना दिया है। ये ऑफर क्रोमा के 560 से ज्यादा स्टोर्स पर उपलब्ध हैं, जिससे पूरे भारत में ग्राहकों को एक सहज और सुविधाजनक खरीदारी का अनुभव प्राप्त होगा।

रावत उपधारी वर्ग को केंद्रीय ओबीसी सूची में शामिल करने की माँग को लेकर छत्तीसगढ़ झेरिया यादव समाज द्वारा प्रदेशव्यापी ज्ञापन अभियान प्रारंभ...

गरियाबंद (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ झेरिया यादव समाज द्वारा रावत उपधारी यादव वर्ग को भारत सरकार की केंद्रीय अन्य पिछड़ा वर्ग सूची में शामिल करने की माँग को लेकर प्रदेशव्यापी जनजागरूकता और ज्ञापन अभियान प्रारंभ किया गया है।इस अभियान के तहत छत्तीसगढ़ के समस्त जिलों मे संबंधित ज़िला प्रशासन के माध्यम से राज्य सरकार एवं राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा जा रहा है। यह मांग लंबे समय से उपेक्षित वर्ग की सामाजिक, शैक्षणिक और प्रशासनिक उपेक्षाओं को दूर करने हेतु की जा रही है।

प्रदेश अध्यक्ष जगनिक यादव के आदेश पर सामाजिक उत्थान पर विशेष पहल:,,,,

प्रदेश अध्यक्ष जगनिक यादव ने अपने निर्देशों में कहा है कि रावत उपधारी वर्ग को आज तक केंद्रीय सूची में सम्मिलित नहीं किया गया है,जिसके कारण समाज के प्रतिभाशाली युवाओं को आरक्षण एवं केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा। यह घोर अन्याय है,जिसे अब समाप्त किया जाना चाहिए।

प्रदेश महामंत्री व प्रवक्ता सुनील कुमार यादव ने कहा कि यह अभियान पूरे छत्तीसगढ़ राज्य में प्रदेश अध्यक्ष के निर्देश पर गठित तीन सदस्यीय समिति के मार्गदर्शन में यह अभियान समन्वित रूप से सभी

जिलों में संचालित किया जा रहा है। समाज की एकजुटता और शांतिपूर्ण विधिक प्रक्रिया के माध्यम से हम सरकार तक यह माँग मजबूती से पहुँचा रहे हैं। यदि इसपर भी सरकार उक्त मांगो को लेकर गंभीर नहीं होगा तो पूरा समाज एक मंच संचालन कर अपनी शक्ति का प्रदर्शन करने बाध्य होंगे। प्रदेश महामंत्री द्वारा ज्ञापन सौंपे जाने से पूर्व जिला स्तर पर समाज प्रमुखों,युवा प्रकोष्ठों एवं महिला संगठन इकाइयों की बैठकें आयोजित की गईं,जिनमें सामाजिक संगठन की मजबूती और माँग की संवैधानिक वैधता पर विचार-विमर्श हुआ।ज्ञापन में यह भी मांग की गई है कि रावत उपधारी यादव वर्ग को केंद्रीय ओबीसी सूची में तत्काल शामिल किया जाए।इसी कड़ी में गरियाबंद जिले में भी जिला प्रशासन में अपर कलेक्टर पंकज डाहीरे को राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ के नाम ज्ञापन सौंपा गया।

ज्ञापन सौंपने वालों में झेरिया यादव समाज के जिला पदाधिकारी दयाराम यादव/वीरू यादव जिला संरक्षक,भुवन यादव जिला अध्यक्ष,भुनेश्वरी यादव महिला प्रकोष्ठ पुनाराम यादव जिला कोषाध्यक्ष,विनोद यादव जिला सचिव,प्रेम नारायण यादव जिला मिडिया प्रभारी,संतोष,मनहरण ठाकुर राम अध्यक्ष छुरा परिक्षेत्र,गैंदू उपाध्यक्ष छुरा परिक्षेत्र,राघवेंद्र,गोवेर्धन अध्यक्ष गाड़ा घाट परिक्षेत्र,हरि कोषाध्यक्ष गाड़ा घाट,दिनेश सचिव गाड़ा घाट,संतोष, लता,प्रमिला,मनोज सचिव,छबि लाल अध्यक्ष,लेखराम पंच,पारा चंद कोषाध्यक्ष, नेपाल,परस जिला प्रवक्ता,गोपाल सचिव, सोहन, गैन्दलाल सहित यादव समाज के अन्य पदाधिकारी शामिल थे।

खनन में बढ़ते निजीकरण के बाद भी छत्तीसगढ़ में सरकारी खदानों का दबदबा

खदानों और पेड़ कटाई में बढ़ रहा सरकारी कंपनियों का हिस्सा

रायपुर। पिछले करीब पांच वर्षो में निजीकरण के चलते छत्तीसगढ़ में निजी कंपनियों का खनन क्षेत्र में काफी विस्तार हुआ है। फिर भी राज्य में केंद्र और सरकार की इकाइयों का प्रभाव में कमी नहीं आयी है। एक तरफ जब सरकारी खनन और बिजली संयंत्र कोयला और खनिज संपत्ति के लिए विस्तारण कर रही हैं तब उनकी तरफ से पेड़ कटाई की अर्जियां भी बढ़ रही है। वर्तमान में छत्तीसगढ़ में कोयले और अन्य खनिजों की लगभग 95 खदानें चल रही हैं, जिनमें 62 केंद्र सरकार की कंपनियां, सात विविध राज्य सरकारों की कंपनियां और 27 निजी कंपनियां शामिल हैं। ये खदानें कोयला, बॉक्साइट, लौह अयस्क इत्यादि सहित ओपनकास्ट और अंडरग्राउंड खनन करती हैं।

छत्तीसगढ़ में सक्रिय निजी खनन कंपनियों की मौजूदगी के बावजूद, आंकड़े बताते हैं कि पेड़ों की कटाई के मामले में अब भी सरकारी खनन परियोजनाएं सबसे आगे हैं।

वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980 के तहत स्वीकृत परियोजनाओं की स्थिति ङ्क छत्तीसगढ़ राज्य में (दिनांक 02-07-2025 तक) रिपोर्ट के अनुसार, कुल 4,92,210 पेड़ों की कटाई हुई है। इसमें से केवल 1,67,286 पेड़ निजी कंपनियों द्वारा काटे गए हैं, जबकि 3,24,924 पेड़ केंद्र और राज्य की सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों (PSU और SPS) द्वारा काटे गए हैं — यानी कुल कटाई का लगभग 66त्न हिस्सा सरकारी इकाइयों के नाम है।

एक सरकारी इकाई ने 8 परियोजनाओं में कुल 77,000 से अधिक पेड़ काटे हैं, जिनमें से एक परियोजना में ही 38,000 से अधिक पेड़ काटे गए हैं, जो प्रत्येक निजी परियोजना की तुलना में कहीं अधिक है। वहीं, एक निजी इकाई ने 27,000 से अधिक पेड़ काटे हैं, जो सूची में सबसे अधिक है। हालांकि निजी कंपनियों द्वारा की गई कटाई भी कम नहीं है, फिर भी स्पष्ट है कि वर्तमान में सबसे अधिक पर्यावरणीय असर सरकारी खनन परियोजनाओं से ही हो रहा है। यह उल्लेखनीय है की छत्तीसगढ़ की गरमाई हुई राजनीती में अडाणी समूह का नाम सुर्ख़ियों में रहता है पर वह राज्य में एक भी खदान का मालिक नहीं है। अडानी समूह की एक सीमेंट कंपनी जो की हाल में खरीदी गयी थी वह एक छोटी खदान की पहले से ही मालिक है। अदाणी समूह कुछ सरकारी खदानों के लिए स्पर्धात्मक बोली द्वारा नियुक्त किया हुआ सिर्फ एक ठेकेदार है और उसकी जिम्मेदारी सिर्फ कोयला खनन कर अन्य सरकारी विद्युत् संयंत्र को ईंधन पहुंचाने की है। ईंधन और बिजली की बढती हुई मांग एक संतुलित नीति की मांग करती है, जिसमें आर्थिक विकास के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण को भी प्राथमिकता दी जाए। आगे बढ़ते खनन कार्यों के साथ पुन: वनीकरण (reforestation), क्षतिपूर्ति वृक्षारोपण (compensatory afforestation) और कठोर पर्यावरणीय निगरानी को अनिवार्य रूप से लागू करना होगा ताकि छत्तीसगढ़ की वन-संपदा सुरक्षित रह सके।

भूतेश्वरनाथ परिसर में चला स्वच्छता अभियान और तिरंगा के सम्मान में निकाली रैली

हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता के थीम पर भूतेश्वरनाथ परिसर में चला व्यापक स्वच्छता अभियान

गरियाबंद (समय दर्शन)। हर घर तिरंगा अभियान के प्रथम चरण के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन लगातार किया जा रहा है। इसी तारतम्य में आज जिले के दार्शनिक एवं पर्यटक स्थल भूतेश्वरनाथ मंदिर परिसर में व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया गया। इसमें जिला पंचायत सीईओ प्रखर चन्द्राकर,अपर कलेक्टर प्रकाश राजपूत, नगर पालिका अध्यक्ष रिखीराम यादव, उपाध्यक्ष आसिफ मेमन,सरपंच अनसुईया ध्रुव सहित जिले के अधिकारी-कर्मचारियों एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भूतेश्वरनाथ मंदिर परिसर एवं विभिन्न जगहों के आसपास साफ-सफाई की।साथ ही कचरों का संकलन कर उनका उचित निष्पादन भी किया। स्वच्छता का कार्यक्रम स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारी-कर्मचारियों के नेतृत्व में व्यापक रूप से चलाया गया। कार्यक्रम के दौरान लोगों को हर घर तिरंगा हर घर स्वच्छता: स्वतंत्रता का उत्सव, नशामुक्ति,स्वच्छता के संग थीम का महत्व बताते हुए तिरंगा रैली निकालकर देशभक्ति की भावना विकसित करने तथा राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान के महत्व को बताया। इसके अलावा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय,भारत सरकार द्वारा संचालित नशा मुक्त भारत अभियान के तहत जिले के नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जन-जागरूकता के माध्यम से जानकारी दी जा रही है। ताकि समाज के लोगों में नशे की कुरीतियों से मुक्ति मिल सके।यह अभियान वर्ष 2020 में प्रारंभ किया गया था और इस वर्ष यह अपने पांच वर्ष पूर्ण कर रहा है. जो अपने-आप में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इस दौरान जिला पंचायत के सीईओ प्रखर चन्द्राकर ने उपस्थित जन समुदाय को स्वच्छ सुजल गांव एवं नशामुक्ति के लिए संकल्प दिलाते हुए कहा कि स्वच्छता को अपने स्वभाव एवं संस्कार में लाने स्वच्छता के प्रति सजग होने घर-गांव और शहर आसपास सूखा कचरा एवं गीला कचरा का सही निष्पादन,जल संसाधनों का सुरक्षित उपयोग करने,सिंगल यूज वाले प्लास्टिक का प्रयोग नहीं करने,गंदगी नहीं करने का शपथ दिलाया।इसी तरह नशापान मुक्त भारत नशा पीड़ितों से संपर्क कर उन्हें नशा मुक्ति के लिए प्रेरित करने की संकल्प दिलाई गई। लइस अवसर पर उप संचालक पंचायत एस.के नागेश,समाज कल्याण विभाग के उप संचालक डीपी ठाकुर, उद्योग विभाग के महाप्रबंधक दीनबंधु ध्रुव, उप संचालक सांख्यिकी ओमप्रकाश देशमुख,डीएसपी गरिमा दादर,सीएमओ संध्या वर्मा,एसडीओ पीडब्ल्यू टी.एन दीवान,जिला परिवहन अधिकारी रविन्द्र ठाकुर,रोजगार अधिकारी अंजुम अफरोज, स्वच्छ भारत मिशन के जिला समन्वयक परवेज हनफी,परियोजना अधिकारी बोधेश्वर साहू,पार्षद सुरेन्द्र सोनटेके,सूरज सिन्हा,जनपद अध्यक्ष सोहन ध्रुव, उपाध्यक्ष लेखराम साहू,सदस्य भीम निषाद सहित जिला अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे।

दो अलग-अलग राशन दुकान से नगदी एवं राशन सामग्री सहित 2 लाख 55 हजार रूपये का चोरी करने वाले 1 विधि से संघर्षरत बालक के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

दोनों आरोपियों के विरुद्ध पूर्व में भी विभिन्न धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध है।

गरियाबंद (समय दर्शन)। दो राशन दुकानों में चोरी करने वाला आरोपी को गिरफ्तार किया गया, जिसमे एक आरोपी विधि से संघर्षरत बालक पाया गया। घटना के विषय में मिली जानकारी के अनुसार 26 जुलाई को प्रार्थी नारायण साहू पिता सुपेत साहू उम्र 54 वर्ष साकिन देवगांव थाना फिंगेश्वार जिला गरियाबंद द्वारा थाना उपस्थित आकर रिपोर्ट दर्ज कराया की 25 जुलाई के रात्रि किराने के दुकान को बंद कर ताला लगाकर सोने चला गया।प्रार्थी सुबह उठ कर देखा तो दुकान के दरवाजा मे लगे ताला निकला हुआ तथा अंदर जाकर देखा तो गल्ला नही था,गल्लक मे करीबन 25000 रू था,साथ ही दूसरे रूम जा कर देखा तो अलमारी खुला हुआ था।अलमारी मे रखे नगदी 150000 रू0 एवं दुकान से 2 टिपा तेल कीमती 4100 रू0,चार पैकेट चांवल कीमती 6000 रू0 भी नही था। जिसे कोई अज्ञात चोर द्वारा चोरी कर ले गया है,इस रिपोर्ट पर थाना फिंगेश्वर मे अपराध क्रमांक 233/2025 धारा 331(4),305(ए) बीएनएस कायम कर जांच कार्यवाही मे लिया गया।इस क्रम में 6 अगस्त को प्रार्थी श्रीराम देवांगन पिता पुनित राम देवांगन उम्र 57 वर्ष निवासी बोरसी थाना फिंगेश्वर थाना आकर रिपोर्ट दर्ज कराया की ग्राम बोरसी बस स्टैंण्ड मे प्रार्थी का होटल है।जिसमें पुरा काम खतम कर के रात्रि होटल को बंद कर।सोने के लिए घर चले गये।सुबह देखा तो स्टोर रूम के दरवाजे का ताला टुटा हुआ था तथा स्टोर रूम के अंदर अलमारी मे रखे गुल्लक नही था गुल्लक मे करीबन 80,000 रू0 था।जिसे कोई अज्ञात चोर द्वारा चोरी कर ले गया है कि रिपोर्ट पर थाना फिंगेश्वर मे अपराध क्रमांक 241/2025 धारा 331(4), 305(ए) बीएनएस कायम कर विवेचना मे लिया गया।दो प्रकरणों में विवेचना के दौरान मुखबीर से सूचना मिला की ग्राम बोरसी के मिथलेश निषाद व एक विधि से संघर्षरत बालक के द्वारा बहुत अधीक पैसा अनावश्यक रूप से शराब पीने व अन्य विलासिता की चीजों में खर्च कर रहे है कि मुखबीर सूचना पर हमराह स्टाफ एवं गवाह के मौका ग्राम पहुॅच आरोपी मिथलेश निषाद व विधि से संघर्षरत बालक पुलिस अभिरक्षा में ले कर पुछताछ करने पर आरोपी व विधि से संघर्षरत बालक के द्वारा ग्राम देवगांव व ग्राम बोरसी मे चोरी करना स्वीकार किये दोनो आरोपियों से चोरी के कुल 65000 रू0,1 टीपा मनभावन कंपनी के तेल तथा एक पैकेट शुभम कंपनी के एचएमटी चांवल को छुपाकर रखा था।जिसे समक्ष गवाहन के जप्त कर कब्जा पुलिस मे लिया गया।

छत्तीसगढ़ी परंपरा को जीवंत करता मोमस ग्रुप का सावन झूला महोत्सव

किरंदुल में मोमस ग्रुप ने हर्षोल्लास के साथ मनाया सावन का झूला त्योहार बंगाली क्लब में सावन उत्सव: मोमस ग्रुप का रंगारंग आयोजन

किरंदुल छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिला मुख्यालय से 40 किलोमीटर दूर किरंदुल के बंगाली क्लब में मोमस ग्रुप ने सावन का झूला त्योहार बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस रंगारंग कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्रीमती लोपामुद्रा, अनुपम श्रीवास्तव और पल्लवी साहू ने शिरकत की। मोमस ग्रुप के सदस्यों ने सभी को आमंत्रित करने के लिए विशेष आमंत्रण कार्ड छपवाए, ताकि अधिक से अधिक लोग इस पारंपरिक छत्तीसगढ़ी त्योहार के उत्सव में शामिल हो सकें। ग्रुप के सदस्यों ने बताया कि वे हर साल इस आयोजन को उत्साह के साथ आयोजित करते हैं और इसे पारंपरिक तरीके से मनाते हैं।

MUNICIPAL CORPORATION, RAIPUR

ZONE-03

E mail.- rmczone3@gmail.com

e-Procurement Tender Notice Main Portal http://eproc.cgstate.gov.in

(1st Call)

NIT No: 24/ZONE-3/2025-26 RAIPUR DATED: 07.08.2025

Online bids are invited for the following works up to 28.08.2025 at 17:30 hours.

Sr. No.	System Tender No.	Name of works/ Description of work	Probable amount of contract
01	173385	नेताजी सुभाष चंद्र बोस वार्ड क्रमांक- 31 अंतर्गत शीतला तालाब में शेड एवं पचरी निर्माण कार्य।	19.14 Lacs

The details can be viewed and downloaded online directly from the government of Chhattisgarh e- Procurement Portal https://eproc.cgstate.gov.in from 07.08.2025, 17.30 Hours (IST) on wards.

For more details on the tender and bidding process you may please visit the mentioned portal NIT Details and other document.

NOTE:

1. All eligible/ interested contractors are mandated to get enrolled on e-Procurement portal.
2. Contractors can contact Help Desk for any clarification of their doubts regarding the process of Electronic. Procurement System. Help Desk at Toll Free No. 18004199140 or through Email ID helpdesk.eproc@cgswan.gov.in

घरो से निकलने वाले सूखा और गीला कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें।

ZONE COMMISIONER
ZONE- 03
MUNICIPAL CORPORATION RAIPUR (C.G.)

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.), पिन-491111 से मुद्रित कर 65/1920, परशुराम नगर प्रोफेसर कालोनी, रायपुर (छ.ग.) पिन- 492001 से प्रकाशित। संपादक :- दामोदर राव, फोन नं.-0771-4218364, मो. 9303404360, ईमेल- samaydarshanraipur@gmail.com, RNI: CHHHIN/2018/76878, डाक पंजीयन /रायपुर संभाग/63/2025-27

माताओं- बहनों की खुशहाली ही है विष्णु देव का

संकल्प रक्षाबंधन

एक बहन के लिए भाई उसके सम्मान, सुरक्षा और समृद्धि की कामना करता है, ताकि वह खुशहाल जीवन जी सके। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार प्रदेश की माताओं- बहनों के प्रति इसी संकल्प को पूरा करने के लिए प्रतिबद्धता से काम रही है। बैंक खाते में नगद राशि के साथ 'महतारी वंदन योजना' उन्हें आत्मनिर्भरता और सम्मान दिला रही है। प्रदेश की लाखों महिलाएं 'लखपति दीदी' बनकर समृद्धि का रास्ता तय कर रही हैं। महिला सशक्तिकरण की योजनाओं से प्रदेश में महिलाओं के अंदर अब जो सुरक्षा का भाव पैदा हुआ है, वह उन्हें एक नया आत्मविश्वास दिला रहा है।

भाई-बहन के स्नेह और विश्वास का पर्व 'रक्षाबंधन' हमारी संस्कृति का महत्वपूर्ण त्यौहार है। इस दिन बहनें मंगल कामना के साथ अपने भाइयों को रक्षा सूत्र बांधती हैं और भाई उनकी रक्षा का वचन देते हैं। यह त्यौहार भाई-बहन के पवित्र रिश्ते को और मजबूत बनाता है। रक्षाबंधन का त्यौहार अपनी बहनों के साथ ही सभी महिलाओं के प्रति सम्मान, सुरक्षा और अस्मिता के लिए जागरूक और प्रतिबद्ध करता है। हमारी सरकार उनकी सुरक्षा, सम्मान, समृद्धि के लिए प्रतिबद्ध है।

-विष्णु देव साय
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

सशक्त महिलाएं समृद्ध छत्तीसगढ़

हमसे जुड़ने के लिए QR स्कैन करें

महतारी वंदन योजना

अब तक 69.19 लाख से अधिक महिलाओं को ₹11728 करोड़ की सहायता

सखी वन स्टॉप सेंटर

SOP लागू करने वाला पहला राज्य, संकटग्रस्त महिलाओं को तत्काल सहायता, परामर्श और कानूनी सहायता

यूनिटी मॉल

महिला स्व-सहायता समूहों को नवा रायपुर में उत्पादों के विक्रय के लिए मिलेगा वृहद बाजार

मानदेय सीधे बैंक खातों में

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का मानदेय अब सीधे बैंक खातों में भुगतान से पारदर्शिता

महतारी सदन

ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सभी ग्राम पंचायतों में उद्यम- व्यवसाय केंद्र की स्थापना

छत्तीसगढ़ महिला कोष

महिलाओं के सामाजिक और आर्थिक विकास हेतु वित्तीय सहायता और प्रशिक्षण

सक्षम योजना

विधवा, परित्यक्ता, तलाकशुदा और अविवाहित महिलाओं के लिए आत्मनिर्भरता की दिशा में सहायता

लखपति दीदी योजना

योजना का उद्देश्य प्रत्येक जिले में 35,000 महिलाओं को प्रशिक्षण और वित्तीय सहायता देकर उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत करना

बिहान योजना

इसका उद्देश्य ग्रामीण गरीब परिवारों की महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से संगठित करना

मिनीमाता महतारी जतन योजना

पंजीकृत महिला निर्माण श्रमिकों को प्रसव के बाद 20,000 की आर्थिक सहायता

मुख्यमंत्री सिलाई मशीन सहायता योजना

18 से 50 वर्ष की महिला श्रमिकों को सिलाई मशीन हेतु सहायता

महिला कल्याण के लिए चार नए पोर्टल

- शी- बाक्स ऑनलाइन शिकायत पोर्टल
- बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ पोर्टल
- महिलाओं से जुड़े बुनियादी ढांचे के विकास और निगरानी के लिए इंफ्रा पोर्टल
- महिला कल्याण की विभिन्न योजनाओं की निगरानी और क्रियान्वयन के लिए स्थापना पोर्टल

सम्मान

खिलेश्वरी को मिली आर्थिक सुरक्षा

रायपुर जिले के बनरसी गाँव निवासी खिलेश्वरी ओगरे बिहान शारदा ग्राम संगठन समूह से जुड़ी हैं। महतारी वंदन योजना के तहत मिलने वाली 1,000 रुपये की सहायता से वे अब आर्थिक सुरक्षा का अनुभव कर रही हैं। वह बताती हैं कि पहले परिवार का भरण-पोषण मुश्किल था, लेकिन अब यह राशि उनके खाते में जमा रहती है, जो विपरीत परिस्थितियों में सहारा बनती है। वे कहती हैं, "महीने के अंत में जब पैसे खत्म हो जाते हैं तो इस 1,000 रुपये से हमें बहुत मदद मिलती है। मैं मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करती हूँ।" खिलेश्वरी, छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के बिहान समूह से भी जुड़ी हैं। इस समूह से जुड़कर उनके जैसी ही कई महिलाएं आज आत्मनिर्भरता की राह पर चल रही हैं।

सुरक्षा

सुरक्षित मातृत्व के लिए सहायता

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत् पहली बार माँ बनने वाली महिलाओं को दो किस्तों में सहायता राशि दी जाती है। पहली किस्त में 3000 रुपए दिए जाते हैं और दूसरी किस्त में 2000 रुपए की राशि प्रसव के बाद टीकाकरण की पुष्टि होने पर दी जाती है। महासमुंद के इमलीभाठा में रहने वाली गायत्री देवांगन ऐसी ही एक महिला हैं। जब उन्हें इस योजना के तहत 5000 रुपए की राशि मिली, तो उन्होंने इस राशि का उपयोग अपने अच्छे स्वास्थ्य और पोषण पर किया। इसके साथ ही उन्हें राज्य सरकार की कौशल्या मातृत्व सहायता योजना के अंतर्गत दूसरी बार गर्भवती होने पर 6000 रुपए की अतिरिक्त सहायता प्राप्त हुई।

समृद्धि

सफल कारोबारी के रूप में मिली पहचान

एक सामान्य परिवार से आने वाली नीतू गुप्ता ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' अंतर्गत लक्ष्मी स्वसहायता समूह से जुड़कर बैंक लिंकेज के माध्यम से एक लाख रुपये का मुद्रा लोन लेकर किराने की दुकान खोली। नीतू सिलाई का कार्य भी करती हैं। साथ ही अपने पति श्री सुनील गुप्ता के साथ खेती कार्य में भी उनका साथ देती हैं। नीतू ने लोन से लिए हुए पैसों से कारोबार शुरू किया और अपनी मेहनत और हुनर के दम पर अब एक सफल कारोबारी के रूप में अपनी पहचान बना चुकी हैं। वे अब अपने बच्चों का पालन पोषण अच्छी तरह से कर पा रही हैं। वे आज लखपति दीदी बन गई हैं।

समानता

व्यंजन बनाने की रुचि ने बनाया आत्मनिर्भर

25 वर्षीया पायल नेताम ने प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना के तहत चार लाख रुपये का ऋण लेकर बेकरी की दुकान खोली। वे बेकरी व्यवसाय से अच्छी-खासी आमदनी हासिल कर रही हैं। साथ ही दो लोगों को रोजगार भी दिया है। पायल केक तैयार कर आसपास के गांवों में ऑर्डर अनुसार भेजती हैं। इससे उन्हें प्रतिदिन दो से तीन हजार रुपये तक शुद्ध आय हो जाती है। इससे उन्हें समाज में समानता और आत्मनिर्भरता वाली पहचान मिली है। पायल ने अपने हुनर और कौशल के साथ शासकीय योजना का लाभ लेकर अपने आप को अब सफल कारोबारी के रूप में स्थापित कर लिया है।

सशक्तीकरण

पुष्पा के हौसलों को मिली उड़ान

पुष्पा यादव 20 दिनों का ड्रोन पायलेट का प्रशिक्षण पूरा करने के बाद गांवों के खेतों में फसलों पर ड्रोन चलाकर कीटनाशक का छिड़काव करती हैं। प्रति एकड़ कीटनाशक छिड़काव करने पर उन्हें 300 रुपए की आय होती है। विगत डेढ़ माह में ही वह 26 हजार रुपए की आय अर्जित कर चुकी हैं। वे कहती है कि स्वयं की खेती, पशुपालन, नरेगा मैट, ड्रोन पायलेट का कार्य कर सालभर में 1 लाख 50 हजार रुपए से अधिक कमा रही हूं। अब पुष्पा को नई पहचान मिली है। गांव वाले उन्हें ड्रोन दीदी पुष्पा के नाम से जानने लगे हैं। पुष्पा की आत्मनिर्भरता देखकर गांव की अन्य महिलाएं भी प्रोत्साहित हो रही हैं और उन्हें भी आगे बढ़ने की प्रेरणा मिल रही है।

सहभागिता

साथ मिलकर तरक्की की राह पर

छत्तीसगढ़ का 'जशप्योर ब्रांड' जो आदिवासी महिलाओं द्वारा बनाए गए उच्च गुणवत्ता वाले और स्वास्थ्यवर्धक उत्पादों को बाजार में प्रस्तुत करता है। अब यह ब्रांड केवल स्थानीय बाजार तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे भारत में अपनी जगह बना चुका है, चाहे वह ऑनलाइन हो या ऑफलाइन। समूह से जुड़ी कई महिलाएं आज पूरी आत्मनिर्भरता के साथ सम्मान पूर्वक जीवन जी रही हैं। जशप्योर आदिवासी महिलाओं का सशक्तिकरण और उनकी आर्थिक स्थिति को सुधारने का सफल प्रयास है। इसके माध्यम से इन महिलाओं को रोजगार का अवसर मिला है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है और उन्हें आत्मनिर्भर बनने में मदद मिली है।